राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार, 12 जुलाई 2022 वर्ष–5,अंक–167 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भगवंत मान के बयान पर भड़के सुखबीर सिंह बादल, कहा- चंडीगढ़ पर पंजाब का दावा छोड़ा

चंडीगढ़। चंडीगढ़ पर अपने-अपने दावे को लेकर पंजाब और हरियाणा की सरकारें कई बार आमने-सामने हो चुकी हैं। इसी बीच पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्र सरकार से पंजाब की विधानसभा बनाने के लिए चंडीगढ़ में अलग जमीन की मांग कर डाली। लेकिन उनके इस बयान पर शिरोमणि अकाली दल सुप्रीमो सुखबीर सिंह बादल भड़क गए। बादल ने कहा कि ऐसा बोलकर मान ने चंडीगढ़ पर पंजाब का दावा छोड़ दिया है। इतना ही नहीं उन्होंने मान को चेतावनी भी दे डाली है। दरअसल, मीडिया से बात करते हुए शिरोमणि अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने मुख्यमंत्री भगवंत मान से अपना बयान वापस लेने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि यदि मुख्यमंत्री अपना बयान वापस नहीं लेते तो शिअद आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही पंजाब को चंडीगढ़ दिए जाने की मांग के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे।

पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री ने पंजाबियों की पीठ में छुरा घोंपा है। भगवंत मान वर्तमान संकट के लिए जिम्मेदार हैं, उनकी लापरवाही के कारण चंडीगढ़ पर पंजाब की पकड़ धीरे धीरे कमजोर होने लगी है। उन्होंने कहा कि वह विधानसभा के लिए जमीन क्यों मांग रहे हैं, जब यहां चंडीगढ़ में विधानसभा है। पंजाब का अपनी राजधानी चंडीगढ़ पर पूरा अधिकार है। बादल ने कहा कि उन्होंने शुरू में सोचा था कि मान ने अनजाने में यह टिप्पणी की है। लेकिन ऐसा लगता है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मान से एक %साजिश% के तहत यह बयान दिलवाया है। असल में बादल का यह बयान ऐसे समय में आया है जब भगवंत मान ने पंजाब विधानसभा भवन के लिए चंडीगढ़ में अलग से भूमि दिए जाने की केंद्र से मांग की।

अमरनाथ यात्रा फिर से हुई शुरू, 4026 तीर्थ यात्रियों का 12वां जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू। खराब मौसम के कारण करीब एक दिन निलंबित रहने के बाद अमरनाथ यात्रा सोमवार को फिर शुरू हो गई और 4,026 तीर्थयात्रियों का 12वां जत्था दक्षिण कश्मीर में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा के दर्शन के लिए जम्मू से रवाना हुआ। खराब मौसम के कारण जम्मू से यात्रा स्थगित कर दी गई थी और रविवार को किसी भी जत्थे को घाटी में आधार शिविरों की ओर जाने की अनुमति नहीं दी गई थी। अमरनाथ गुफा के पास आठ जुलाई को बादल फटने पर हुई भीषण बारिश के कारण अचानक बाढ़ आने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 30 से अधिक लोग अब भी लापता हैं।

अधिकारियों ने बताया, ''केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कड़ी सुरक्षा के बीच 110 वाहनों में कुल 4,026 तीर्थयात्रियों का 12वां जत्था यहां भगवती नगर यात्री निवास से रवाना हुआ।'' उन्होंने बताया कि इन श्रद्धालुओं में 3,192 पुरुष, 641 महिलाएं, 13

बच्चे, 174 साधु और छह साध्वी हैं। उन्होंने बताया कि बालटाल आधार शिविर के लिए जाने वाले 1,016 तीर्थयात्री 35 वाहनों में तड़के साढ़े तीन बजे सबसे पहले रवाना हुए। इसके बाद कश्मीर में पहलगाम शिविर के लिए 2,425 तीर्थयात्रियों को लेकर 75 वाहनों का दूसरा काफिला रवाना हुआ।

इस बीच, सेना ने पवित्र गुफा के बाहर एक अस्थायी सीढ़ी का निर्माण किया। गत शुक्रवार को बादल फटने से हुए भूस्खलन के कारण गुफा मंदिर की ओर जाने वाला मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया था। सेना की इकाई 'चिनार कोर' ने ट्वीट किया, '' यात्रा के पहलगाम से आज शुरू होने के मद्देनजर पवित्र गुफा के बाहर यात्रियों के लिए रातभर में अस्थायी सीढ़ी बनाई गई।'' बाबा बर्फानी के दर्शन के लिये 43 दिन की वार्षिक यात्रा दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान मार्ग और मध्य कश्मीर के गांदरबल में 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से 30 जून को शुरू हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक 1.13 लाख से अधिक तीर्थयात्री पवित्र गुफा में बर्फ से बने शिवलिंग के दर्शन कर चुके हैं। अमरनाथ यात्रा 11 अगस्त को रक्षा बंधन के अवसर पर समाप्त होगी।

खराब मौसम के कारण जम्मू से यात्रा स्थगित कर दी गई थी और रविवार को किसी भी जत्थे को घाटी में आधार शिविरों की ओर जाने की अनुमति नहीं दी गई थी। अमरनाथ गुफा के पास आठ जुलाई को बादल फटने पर हुई भीषण बारिश के कारण अचानक बाढ़ आने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 30 से अधिक लोग अब भी लापता हैं।

छत्तीसगढ़ में भूकंप से कांपी धरती

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में सोमवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। सुबह 8 बजकर 10 मिनट दो सेकेंड पर अंबिकापुर से 79 किमी WNW पर 4.3 तीव्रता का भूकंप आया है। इसकी गहराई 10 किमी थी। इस भूकंप की 82.44 लंबा था। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने ट्वीट कर यह जानकारी दी।

बता दें, अंडमान निकोबार द्वीप समूह में भी भूकंप के कई झटके महसूस किए गए थे। पोर्टब्लेयर में कई बार धरती कांप उठी थी।

9 जून को महाराष्ट्र में आया भूकंप

इससे पहले, महाराष्ट्र के कोल्हापुर में 9 जून को सुबह 6 बजकर 24 मिनटर 40 सेकेंड पर 4.6 तीव्रता का भूकंप आया था। इस भूकंप की गहराई 10 किमी थी। भूकंप कोल्हापुर के 154 किमी श्वह्श्व पर आया था।

9 जून- नार्दर्न मरियाना द्वीप समूह के सायपान में 6.1 तीव्रता का भूकंप आया। इसकी गहराई 10 किमी थी।

9 जून-अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में 3.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसकी गहराई 10 किमी थी।

9 जून- अंडमान निकोबार द्वीप समूह की राजधानी पोर्टब्लेयर में 4.8 तीव्रता का भूकंप आया, जिसकी गहराई 10 किमी थी।

9 जून- अंडमान निकोबार द्वीप समूह के कैंपबेल बे में 4.4 तीव्रता का भूकंप आया, जिसकी गहराई 10 किमी थी।

8 जून को पाकिस्तान में आया भूकंप

आठ जून को पाकिस्तान में 4.5 तीव्रता का भूकंप आया । इसकी गहराई 150 किमी थी। इसी दिन अरुणाचल प्रदेश में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। कामले में 3.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिसकी गहराई 12 किमी थी। इसके अलावा, सात जुलाई को अफगानिस्तान के फैजाबाद में भी 4.6 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसकी गहराई 150 किमी थी।

गुजरात में बाढ़ की स्थिति, इन राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। देश के अधिकांश हिस्सों में बारिश देखने को मिल रही है। वहीं दिल्ली समेत उत्तर भारत के राज्यों में बारिश का असर कुछ नहीं देखने को मिल रही है। मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक दिल्ली में आज से मौसम में बदलाव दिखेगा और अगले कुछ दिन दिल्लीवासियों को गर्मी से राहत मिलेगी। इसके साथ ही पूरे उत्तर भारत का भी मौसम बदलते दिखेगा। उत्तर प्रदेश से लेकर उत्तराखंड , पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश में भी बारिश के आसार है। जम्मू कश्मीर में भी हल्की से मध्यम बारिश का पूरा अनुमान बना हुआ है। उत्तर प्रदेश के मौसम पर नजर डालें तो लखनऊ से लेकर आगरा, अलीगढ़, गौतमबुध नगर, वाराणसी, बरेली समेत अन्य जिलों के लोगों को गर्मी से राहत मिलते दिखेगी। इस पूरे हफ्ते बादल भी छाए रहेंगे और कई हिस्सों में बारिश देखने को मिलेगी। इसके अलावा अधिकतम तापमान भी 36-37 के पास बना रहेगा।

दिल्ली-एनसीआर में बादल छाएंगे लेकिन वर्षा की उम्मीद नहीं-दिल्ली-एनसीआर में आज यानी सोमवार को भी दिन

भर बादल छाए रहेंगे, लेकिन बरसात की कोई खास संभावना नहीं है। कहीं कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 35 और 27 डिग्री सेल्सियश रहने की संभावना। मौसम विभाग के मुताबिक अभी 16 तारीख तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा ।

हिमाचल के 10 जिलों में येलो अलर्ट-हिमाचल प्रदेश में लाहुल-स्पीति व किन्नौर को छोड़ 10 जिलों में सोमवार को आंधी और भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने आगामी चार दिन के दौरान भारी बारिश की संभावना जताई है। इसके कारण सार्वजनिक सेवाएं प्रभावित होने की आशंका है।

पंजाब में सामान्य वर्षा की संभावना

पंजाब में मानसून पूरी तरह से सक्रिय है। मौसम केंद्र चंडीगढ़ के डायरेक्टर डा. मनमोहन सिंह के अनुसार सोमवार व मंगलवार को पंजाब के कई जिलों में सामान्य वर्षा हो सकती है। इसके बाद 13 जुलाई से राज्य के कई जिलों में दो दिनों तक भारी वर्षा होने की संभावना है। खासकर पहाड़ी क्षेत्रों के साथ लगते जिलों में सामान्य से अधिक वर्षा हो सकती है।

SC में सुनवाई से पहले संजय राउत का बयान

महाराष्ट्र में जो सरकार को थोपा गया, वह पूरी तरह से अवैध है

नई दिल्ली। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा था कि वह महसूस करते हैं कि महा विकास आघाडी (एमवीए) के तीनों घटकों शिवसेना, कांग्रेस, राकांपा को वर्ष 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ना चाहिए। हालांकि, पवार ने कहा कि इस मुद्दे पर फैसला पार्टी और गठबंधन में शामिल घटकों के साथ बातचीत कर के ही लिया जाएगा। एकनाथ शिंदे और उनके गुट के 15 विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग संबंधी उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाले शिवसेना धड़े की याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई होने वाली है। सुनवाई से पहले शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत का भी बयान सामने आया है। अपने बयान में राउत ने कहा कि जिस तरह से महाराष्ट्र में एक सरकार को थोपा, वह पूरी तरह से अवैध है। उन्होंने दावा किया कि यह सरकार संविधान के मुताबिक नहीं बनी है। यह विधायकों के अयोग्य होने का मुद्दा है। सर्वोच्च न्यायालय में एक फैसला हो रहा है, उससे पता चलेगा कि देश में संविधान, क़ानून है या उसकी हत्या हो चुकी है। इसके साथ ही जब संजय राउत ने शरद पवार के बयान महा-विकास अघाड़ी का गठबंधन 2024 में साथ में चुनाव लड़ेंगे पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। संजय राउत ने कहा कि शरद पवार साहब की जो भूमिका है वह समन्वय की भूमिका है और उस बारे में हम सब लोग बैठकर जरूर बात करेंगे। दरअसल, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा था कि वह महसूस करते हैं कि महा विकास आघाडी (एमवीए) के तीनों घटकों शिवसेना, कांग्रेस, राकांपा को वर्ष 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ना चाहिए।

कानपुर के इरफान और शमशाद बाबा बर्फानी के भक्तों की सेवा में लीन, अमरनाथ यात्रा बोर्ड ने सेवादार बनाया

कानपुर। कानपुर के दो मुस्लिम भाई अमरनाथ यात्रा पर गए भक्तों की सेवा में जुटे हैं। बाबा बर्फानी के भक्तों की सेवा की इच्छा लेकर लोडर चलाने वाले सगे भाई इरशाद और शमशाद खुद से कानपुर की शिव सेवक समिति के पास गए थे। लंगर के सामान और 5 ई-रिक्शा लेकर समिति के सदस्यों के साथ दोनों भाई बालटाल पहुंच गए और तबसे वहीं रुककर भक्तों की सेवा में जुटे हैं।

बता दें कि कानपुर की शिव सेवक समिति के सदस्य हर साल बाबा अमरनाथ के भक्तों की सेवा के लिए बालटाल जाते हैं। साथ में लंगर का सामान भी ले जाते हैं। वहां शिविर लगाते हैं। इस बार भक्तों को लाने-ले जाने के लिए पांच ई-रिक्शा भी वहां भेजे गए हैं। समिति के महासचिव शीलू वर्मा के अनुसार, अबकी सामान भेजने की बारी आई तो लोडर चलाने वाले इरशाद खुद उनके पास आए और अमरनाथ जाने की इच्छा जताई। उनके साथ भाई शमशाद भी लोडर से सामान लेकर अमरनाथ तक गए और इसके बदले में किराया सिर्फ उतना लिया, जितना खर्च आया।

और वहीं रुक गए...

आश्चर्य की बात तो ये है कि बाबा के दरबार में पहुंचने के बाद दोनों भाइयों का मन बदल गया और सेवा के लिए समिति के सदस्यों के साथ वहीं रहने की ठान ली। सबसे

पहले उन्होंने बाबा अमरनाथ के दर्शन किए और फिर सेवा में लग गए। शहर में लोडर चलाकर अपनी रोजी-रोटी जुटाने वाले जूही गढ़ा निवासी इरशाद और शमशाद अब 18 जून से बालटाल शिविर में हैं। लोडर भी वहीं खड़ा है, जिसके बदले उन्हें कुछ नहीं मिलना है। दोनों भाई शहर से गए पांच ई-रिक्शा में से दो चलाते हैं। इससे भक्तों को बराड़ी मार्ग के 2.5 किमी तक ले जाते हैं। अब तो उनकी सेवा को देखते हुए श्राइन बोर्ड ने सेवादार का कार्ड भी जारी कर दिया है।

इंसानियत की सेवा

फोन पर इरशाद ने बताया कि भक्तों को जब ई-रिक्शा से छोड़ते हैं तो उसके आगे ज्ञान गिरी आश्रम से गुफा के रास्ते में बड़ी संख्या में लोग लड़खड़ाते मिलते हैं। उन्हें सहारा देना पड़ता है। ऐसे करीब 180 बुजुर्गों, दिव्यांगों और न चल पाने वाले भक्तों को दोनों भाई रोज सहारा देते हैं। दोनों भाइयों का कहना है कि बाबा की बड़ी महिमा सुनी थी। इससे ठाना था कि एक बार दर्शन करने जरूर जाऊंगा। सामान पहुंचाने के बहाने यह मौका भी मिल गया। यहां आकर लगा कि इंसानियत की सेवा भी कर लेनी चाहिए, यही सबसे बड़ा धर्म है। जब खुदा अपने बंदों में कोई फर्क नहीं करता तो हम भला क्यों करें। अमरनाथ में बादल फटने के बाद पैदा हुए हालात में तो वे लगातार बिना सोए रात-दिन श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे हैं।

मुस्लिम इलाकों में जुमे पर बंद कराए जा रहे स्कूल, अफसरों को फटकार; एक सप्ताह में आएगी पूरी रिपोर्ट

रांची। झारखंड के सरकारी प्राथमिक व मध्य विद्यालयों का नाम उर्दू स्कूल करने के मामले की शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो ने जांच का आदेश दे दिया है। उन्होंने राज्य के सभी जिलों में इसकी जांच कराने को कहा है। किस जिले में किन-किन स्कूलों के नाम उर्दू स्कूल में बदले गये हैं और कहां-कहां शुक्रवार को अवकाश दिया जा रहा है, इसकी एक सप्ताह में जांच रिपोर्ट मांगी है।

इसमें सरकार के नियम के विरुद्ध काम करने वाले अधिकारियों और शिक्षकों पर कार्रवाई भी की जाएगी। शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो ने रविवार को प्राथमिक शिक्षा निदेशक दिलीप टोप्पो, झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की राज्य परियोजना निदेशक किरण कुमारी पासी, जामताड़ा के डीईओ-डीएसई अभय शंकर समेत प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारियों की बैठक बुलाई थी। शिक्षा मंत्री ने प्राथमिक शिक्षा निदेशक और जेईपीसी की एसपीडी को निर्देश दिया कि राज्य भर में जांच करायी जाए कि कितने स्कूलों का नाम बिना अनुमति के उर्दू स्कूल कर दिया गया है। राज्य में ऐसे कितने स्कूल हैं जहां शुक्रवार को छुट्टी होती है। ऐसे स्कूलों के प्रधानाध्यापक समेत यह स्थिति बहाल करने वाले अधिकारियों को नोटिस जारी किया जाए और उनसे स्पष्टीकरण पूछा जाए। अगर उनकी ओर से संतोषजनक जवाब नहीं दिया जाता है तो उन पर कार्रवाई की जाए।

एक सप्ताह में इसकी रिपोर्ट दी जाए।

अधिकारियों को लगाई फटकार

शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों को फटकार भी लगाई कि वे फिल्ड में नहीं जाते हैं। अगर वे फिल्ड में जाते तो जो स्कूल के नाम अपने आप नहीं बदल जाते। बैठक में कुछ अधिकारियों ने स्थानीय दबाव का हवाला दिया तो शिक्षा मंत्री ने कहा कि किसी के दवाब में आने की आवश्यकता नहीं है। सरकार का जो नियम उसी का पालन होगा। जामताड़ा समेत दूसरे जिलों में भी मुस्लिम बहुल इलाकों में स्कूलों के नाम के आगे उर्दू जोड़ने का मामला सामने आया है। इनमें भी शुक्रवार को अवकाश और रविवार को स्कूल खोजा जा रहा है।

दो दिन में मांगा जवाब

करमाटांड़ व नारायणपुर प्रखंड अन्तर्गत कई हिन्दी विद्यालयों को उर्दू स्कूल की तर्ज पर रविवार की जगह शुक्रवार हो होने वाली सप्ताहिक अवकाश के मामले में जिला शिक्षा विभाग ने संज्ञान लिया है। इस संबंध में जिला शिक्षा अधीक्षक अभय शंकर ने करमाटांड़ व नारायणपुर के प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी से दो दिनों के अंदर स्पष्टीकरण का जवाब मांगा है। जिसमें बीईईओ से जानकारी मांगी गई है कि उनके द्वारा समय-समय पर विद्यालय का निरीक्षण एवं अनुश्रवण किया जाता है। परंतु बीईईओ के स्तर से कभी भी जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय को यज जानकारी उपलब्ध नही करायी गई है कि बहुत सारे हिन्दी विद्यालय को उर्दू विद्यालय तर्ज पर संचालित किया जाता है। विभाग ने इस मामले में खेद जताया है और बीईईओ की लापरवाही माना है।

क्या है मामला–करमाटांड़ व नारायणपुर के इलाके में स्कूल मैनेजमेंट के दबाब पर कई हिन्दी स्कूलों को उर्दू विद्यालय की तर्ज पर रविवार को पढ़ाई एवं शुक्रवार को साप्ताहिक छुट्टी घोषित की गई है। इसके अलावे कुछेक हिन्दी स्कूल के नाम के आगे उर्दू शब्द जोड़ने के मामला भी सामने आया है।

सुविचार माता-पिता की सेवा और उनकी आज्ञा का पालन जैसा दूसरा धर्म कोई भी नहीं है। - महर्षि वाल्मीकि

संपादकीय

दृढ़ इच्छाशक्ति दिखाएं

इंडोनेशिया के बाली में जी-20 सम्मेलन के दौरान चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात में एलएसी पर चीनी अतिक्रमण खत्म करने का विदेश मंत्री एस जयशंकर का दबाव कितना रंग लाता है, कहना जल्दबाजी होगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि जी-20 सम्मेलन के दौरान वास्तविक नियंत्रण से जुड़े विवाद पर विमर्श की पहल निश्चय ही सकारात्मक वातावरण बनाने में सहायक होगी। कहा जा रहा है कि एलएसी से जुड़े कई इलाकों से सेना की वापसी के लिये भारत ने चीन पर दबाव बनाया है। साथ ही दोनों विदेश मंत्रियों की बातचीत में स्वीकारा गया कि द्विपक्षीय संबंध संवेदनशीलता और आपसी हितों पर आधारित ही होने चाहिए। ऐसे में उम्मीद जगी है कि विदेश मंत्रियों की मुलाकात के बाद लद्दाख सीमा विवाद सुलझाने की दिशा में सैन्य वार्ताओं के अगले दौर का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा। निस्संदेह, बातचीत के जरिये सीमा विवाद से जुड़े सभी मुद्दों का समाधान निकाला जाना चाहिए। जो अब तक हुए द्विपक्षीय समझौतों के आलोक में आगे बढ़ने की राह प्रशस्त करे। साथ ही अब तक जिन मुद्दों पर सहमति बनी थी, अब उससे आगे बढ़ा जाये। इस बात को चीन भी स्वीकारता है कि एलएसी पर शांति स्थापित करने में दोनों देश सक्षम हैं, दोनों में इसको लेकर इच्छा भी है। साथ ही यह भी कि किसी तीसरे पक्ष द्वारा इसमें दखल की कोई गुंजाइश भी नहीं है। बहरहाल, चीन को एक स्पष्ट संकेत तो भारत की ओर से मिल ही गया कि लद्दाख में पूर्व स्थिति बहाल किये बिना दोनों देशों के संबंध सामान्य नहीं हो सकते। जरूरत इस बात की भी है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा से जुड़े तमाम विवादों का यथाशीघ्र समाधान निकाला जाये। इसके लिये सैन्य कमांडरों की वार्ता से इतर विदेश मंत्रालय के स्तर पर वार्ता का दौर जारी रहना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इस साल चीनी विदेश मंत्री वांग यी से विदेश मंत्री एस जयशंकर की यह दूसरी मुलाकात है। पहली मुलाकात मार्च 2022 में तब हुई थी जब वांग यी भारत के दौरे पर आये थे। बहरहाल, देश के नेतृत्व को वास्तविक नियंत्रण रेखा से जुड़े तमाम विवादों की वास्तविकता से जनमानस को अवगत करना चाहिए। विदेशी सूचना माध्यमों में तथा देश के विपक्षी राजनीतिक दलों द्वारा गाहे-बगाहे एलएसी में चीनी अतिक्रमण का मुद्दा उठाया जाता रहा है। खासकर विपक्षी कांग्रेस एलएसी के मुद्दे पर खासी आक्रामक रही है और राजग सरकार पर सीमाओं को अक्षुण्ण बनाये रखने में विफल होने के आरोप लगाती रही है। अब तक देश का केंद्रीय नेतृत्व कहता रहा है कि चीनी सेना ने भारतीय इलाकों का कोई अतिक्रमण नहीं किया है। विपक्ष द्वारा कहा जाता रहा है कि देश के जनमानस को वास्तविकता का भान होना चाहिए। विपक्षी नेता सवाल पूछते रहे हैं कि यदि अतिक्रमण नहीं हुआ है तो वार्ता का आधार क्या है? निस्संदेह, स्थिति की वास्तविकता का भान न होने से संशय की आशंका रहती है। विडंबना यह भी है कि आजादी के बाद चीन से लगी सीमा का ठीक-ठीक अंकन नहीं हो सका है। दूसरे, यह इलाका भौगोलिक रूप से इतना जटिल है कि स्थायी सीमांकन के मानकों का पालन करना मुश्किल हो जाता है। निस्संदेह, साम्राज्यवादी चीन निरंतर जमीन हड़पने की नीति का अनुसरण करता आया है। हम 1962 का जख्म नहीं भूले हैं। भारत ही नहीं, चीन का दर्जनभर पड़ोसियों से सीमा विवाद जारी है। आर्थिक व सैन्य ताकत हासिल करके चीन विश्व की नंबर एक शक्ति बनने का ख्वाब देखता रहता है। इसी ताकत के नशे में अपने पड़ोसी देशों में अतिक्रमण करके अपने साम्राज्यवादी मंसूबों का पोषण करता है। बहरहाल, एलएसी पर शांति बहाली के लिए जरूरी है कि लंबित मुद्दों का निस्तारण यथाशीघ्र हो।

आज के कार्टून

ईश्वर की समीपता

श्रीराम शर्मा आचार्य

ईश्वर हमारे सबसे अधिक समीप है। संसार का कोई पदार्थ या व्यक्ति जितना समीप हो सकता है, उसकी अपेक्षा ईश्वर की निकटता और भी अधिक है। वह हमारी सांस के साथ प्रवेश करता है और समस्त अंग-अवयवों में प्राणवायु के रूप में जीवन का अनुदान प्रतिक्षण प्रदान करता है। यदि इसमें क्षणभर का भी व्यवधान उत्पन्न हो जाय तो मरण निश्चित है। संभावित सोलह हजार नाड़ियों के साथ वही कृष्ण रमण करता है। मांसपेशियों के आकुंचन-प्रकुंचन में गुदगुदी उसी के द्वारा उत्पन्न की जाती है। अन्त:करण में उसी का गीता प्रवचन निरन्तर चलता है। ज्ञान-विज्ञान की विशालकाय पाठशाला उसी ने हमारे मस्तिष्क में चला रखी है। जीवकोषों के भीतर चलने वाली गतिविधियों का सूक्ष्म उपकरणों से निरीक्षण किया जाए, तो पता लगेगा कि समस्त ब्रह्माण्ड के विशाल परिकर में जो हलचलें हो रही हैं, वे सभी बीज रूप से इन नन्हीं सी कोशिकाओं में गतिशील हैं। 'जो ब्रह्माण्ड में, सो पिण्ड में' वाली उक्ति अब किंवदंती नहीं रही। अब उसकी पुष्टि एक सुनिश्चित सच्चाई के रूप में हो चुकी है। मनुष्य का व्यक्तित्व वस्तुत: विराट् ब्रह्मा का एक संक्षिप्त संस्करण है। पर वह मनुष्य का शरीर धारण करके अवतार लेता रहता है, यह सत्य है। इसी प्रकार यह भी एक स्वत:सिद्ध सच्चाई है कि मनुष्य अपने चरम विकास की स्थिति में पहुंचकर परमेर बन सकता है। मानवी संरचना कुछ है ही ऐसी अद्भुत की उसमें ईश्वर की समग्र सत्ता की अनुभूति कर सकना सर्वथा सम्भव है। इतना सब होते हुए भी हम ईश्वर से अरबों-खरबों मील दूर हैं। उसकी समीपता की अनुभूति के साथ-साथ जिस परम सन्तोष और परम आनन्द का अनुभव होना चाहिए, वह कभी हुआ ही नहीं। ईश्वर की समीपता को जीवन मुक्ति भी कहते हैं। उस स्थिति को सालोक्य, सामीप्य, सारूप्य, सयुज्य, इन चार रूपों में वर्णन किया गया है। ईश्वर के लोक में रहना, उसके समीप रहना, उस जैसा रूप होना, उसमें समाविष्ट हो जाना, यह चारों ही अवस्थाएं उस स्थिति की ओर संकेत करती हैं, जिसमें मनुष्य की भीतरी चेतना और बाहरी क्रिया उतनी उत्कृष्ट बन जाती है जितनी कि ईश्वर की होती है। अपनी चेतना सत्ता को ईश्वरीय चेतना में घुला देने में किसे कितनी सफलता मिली, इसका परिचय उसके चिन्तन और कर्तृत्व का स्तर परख कर सहज ही प्राप्त किया जा सकता है।

लुभावनी राजनीति में कसमसाती जिंदगी

सुरेश सेठ

अभी एक सर्वेक्षण के अनुसार देश के सात राज्य ऐसे हैं, जहां व्यापार करना सहज हो जाने से व्यापारियों और निवेशकों का जीवन सरल हो गया है। इनमें गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना के साथ पंजाब और हरियाणा भी शामिल हैं। कामकाजी जीवन सहज और सरल हो जाये, यह इच्छा केवल कामगारों की, नव शिक्षित हो जीवन के रण स्थल में कूदते युवकों की ही नहीं, कोरोना महामारी से विस्थापित हुए श्रमवीरों की भी है। सहज और सरल हो जाने का अर्थ यही है कि जो काम होने चाहिये, वह नियम-कायदे के साथ अपने आप होने लगें। जिन पर काम करके देने की जिम्मेदारी है, अर्थात आपकी फाइल आगे बढ़ाने वाले से लेकर प्रशासक तक, वह अपना काम प्रतिबद्धता के साथ कर रहे हैं। समाज में सार्थक परिवर्तन लाने के लिए नये अभियान नियामकों द्वारा प्रस्तुत और नेतृत्व द्वारा पूर्णता तक पहुंचाये जा रहे हैं, और देश में जनसाधारण से लेकर विशिष्ट जन तक अपने लिए राहत के रोशनदान खुलते महसूस कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने भी पिछले दिनों यह बात दोहरायी कि जीवन दुरूह तब हो जाता है जब जीवन बेहतर कर देने के बहुत सपनों के साथ नई योजनायें शुरू कर दी जाती हैं, और वे बरसों पूर्णता की देहरी तक नहीं पहुंचतीं। उनकी पूर्णता के लिये करोड़ों रुपये के आवंटन की घोषणा साधारण जन में उम्मीद जगा देती है, लेकिन आधी-अधूरी घोषणायें, उनके पूर्ति परिणामों का शून्य अजब खीझ से भर देता है, कि लो चमत्कारी संदेशों, उन्हें समर्थन देने वाले आंकड़ों के मिथ्या समर्थन के बावजूद हमारा जीवन तो उतना ही विकट रहा। इस देश का आर्थिक जीवन जो कभी मिश्रित अर्थव्यवस्था बना देने की घोषणा के साथ शुरू हुआ था, अर्थात सार्वजनिक क्षेत्र का उत्तरोतर विकास जो जन-जन के कल्याण का रखवाला होगा, और उसके समानांतर चलता निजी क्षेत्र जो देश की विकास दर को त्वरित गति प्रदान करेगा। कृषि क्रांति से भाग्य संवारने के साथ देश के औद्योगीकरण, आधुनिकीकरण और व्यवसायीकरण का पैगाम देगा, एक नये भारत का चेहरा संवारेगा। लेकिन वह अपनी मंजिल तक पहुंच नहीं सका। सार्वजनिक क्षेत्र के मार्ग में लाल फीताशाही से लेकर, कर्तव्य कोताही, भ्रष्टाचार से लेकर मध्य जनों के शार्टकट पैदा करने का तौर तरीका चला आया, और निजी क्षेत्र की प्रतिबद्ध त्वरित गति पर जो विश्वास किया गया था, वह अधिकाधिक लाभ भावना के वैकल्पिक मार्ग की ओर मुड़ता चला गया। इससे रास्ता आर्थिक उदारवाद की तलाश में किया गया। सहज साख नीति में किया गया। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के इस सह अस्तित्व में किया गया, जो एक-दूसरे के पूरक हों। लेकिन डेढ़ दशक के प्रयास के बावजूद इसमें अपेक्षित सफलता नहीं मिली, तो अब नीतियां फिर बदली हैं। नाम तो अभी भी सरकारी और निजी क्षेत्र की भागीदारी का है, लेकिन अब भरोसा अधिक निजी क्षेत्र की उद्यमशीलता पर किया जा रहा है। डिजिटल युग की स्वचालित क्षमता पर किया जा रहा है। धीरे-धीरे इसी भरोसे के साथ नये कदम उठाये जाने लगे हैं। सार्वजनिक बैंकों के साथ निजी बैंकों और वित्तीय संस्थानों की महत्ता का बढ़ना, धनिक घरानों और विदेशी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष निवेश का मूलभूत ढांचे के निर्माण में प्रवेश नया रास्ता है। देश को पौन सदी की आजादी में अधूरी उपलब्धियों पर उत्सव मनाने के साथ इसकी सदी की पूर्णता के साथ पूर्ण और स्वत: स्फूर्त विकास की ओर बढ़ना होगा। डिजिटल भारत, इंटरनेट की दुनिया के साथ अंतरिक्ष में व्यवसाय के नये सपनों की उड़ान और पल पल ताकतवर होता हुआ भारत पैदा हो, जिसकी आवाज को अब वैश्विक फैसलों में दरकिनार नहीं किया जा सके। स्वतंत्र विदेश नीति के सफल तेवर रूस-यूक्रेन युद्ध की मारामारी में भी अंधपक्षधरता के स्थान पर तीसरी दुनिया का प्रतिनिधित्व करने वाली एक मुखर आवाज के रूप में दिखायी दे रहे हैं, जिसका स्वीकार अन्तर्राष्ट्रीय मंचों से होने लगा है। निश्चय ही यह बदलते हुए भारत की छवि है जो आम नागरिक को गौरव का अहसास दे सकती है। यह अहसास उसे मिल भी रहा है। लेकिन उसे ऐसा क्यों लगने लगा कि उसके हिस्से मात्र अहसास है, जीवन सरल हो जाने के दावे हैं, लेकिन सरलता और सहजता उजली बस्तियों तक ठिठक रह गयी है? जहां गगनचुम्बी इमारतें उभरकर उसके शहरों को स्मार्ट हो जाने का खिताब बख्श रही हैं? इन स्मार्ट शहरों में उसके भाग्य में तो अंधेरी और पिछड़ी बस्तियों की नियति है, जहां ऊर्जा क्रांति के नाम पर पॉवरकट का हो-हल्ला है और शिक्षा क्रांति के नाम उसके हिस्से की पाठशालाओं में मात्र एक अध्यापक चार-चार कक्षाओं का भाग्य संवार रहा है? काम की तलाश में बरसों से भटकते नौजवानों की संख्या में महामारी में विस्थापित कामगार पीढ़ी के रोजगार छिनने की विडंबना ने वृद्धि कर दी है। ऐसी विडंबना कि जिसका निराकरण अब राहत और रियायत संस्कृति के विस्तार के साथ किया जा रहा है। इस स्वीकारोक्ति के साथ किया जा रहा है कि दुनिया में मात्र यही एक देश है कि जिसकी अस्सी करोड़ जनता

में रियायती अनाज बांटा जा रहा है। रियायतें स्वभाव बनने लगी हैं। नये आंकड़े बता रहे हैं कि अब कुल बेकारों में से आधे लोगों ने अपने लिये रोजगार की तलाश ही बन्द कर दी है और अब वे अपनी सरकारों से नयी रियायतें मांगने वाली ब्रिगेड में तबदील हो गये हैं। राजनीति के लिए भी वे ऐसा वोटबैंक बन गये हैं, जिसे कर्मठ नवनिर्माण से प्रेरित नहीं किया जाता, बलि्क नयी रियायतों की घोषणा से आह्लादित किया जाता है। हमने कुशल भारत बनाने की घोषणा पांच बरस पहले की थी। युवा शक्ति को बदलते हुए उद्योग धंधों के तेवर से दीक्षित करके लाखों नये रोजगार में परिवर्तित करना था, लेकिन अभी परिणाम का मूल्यांकन हुआ तो क्यों पाया कि मात्र कुछ हजार युवक ही इस अभियान से दीक्षित हो सके? नि:संदेह हमारी योजनाओं के ये आधे-अधूरे परिणाम ही उस जन असंतोष का कारण हैं जो आज हमें रूप बदल-बदलकर इस देश में पैदा होता दिखायी देता है। कभी देश के कानून का तिरस्कार करते हुए अवैध कर्मों में लिप्त हो जाने के असामाजिक विकल्प में और कभी बहुत बड़े पैमाने पर युवा शक्ति के इस देश से पलायन कर जाने की इच्छा में दिखायी देता है। लेकिन इसका उपचार भी तो करना है। यह उपचार है, उस समाधान में कि जिसका जो काम है वह इस देश का हर नागरिक प्रतिबद्धता से करे। नेता से लेकर अधिकारी तक, और अधिकारी से लेकर लिपिक तक। लेकिन यह क्यों अभी भी मात्र एक संदेश है। वह दिन कब आयेगा जब हम संदेश देने के शीर्ष से चिल्लाने के स्थान पर इसे एक ईमानदार जीवन जीने की पद्धति के रूप में स्वीकार करेंगे? संघर्ष और मेहनत को अपना स्वभाव बनायेंगे, कायाकल्प के वायवीय इंतजार को नहीं।

लेखक साहित्यकार हैं।

अपने देश में ही शरणार्थी बनते लोग

पंकज चतुर्वेदी

तीस जून की रात मणिपुर के नोनी जिले के रेलवे निर्माण स्थल पर कहर बनकर आई। एक समूचा पहाड़ टूट कर कोई 300 फुट नीचे गिरा और पूर्वोत्तर राज्यों को आसियान देशों से सीधे जोड़ने के इरादे से बन रही 111 किलोमीटर रेल लाइन के जरीबार-तुपुल निर्माण कैंप को निगल गया। मरने वालों में एक दर्जन से अधिक सेना के जवान हैं, कुछ रेलवे के कर्मचारी व निर्माण कंपनी के इंजीनियर व स्थानीय नागरिक हैं। यह किसी से छुपा नहीं है कि मणिपुर के लोग इस परियोजना से खुश नहीं हैं। इसके कारण वहां जमकर जंगल तो कटे ही, हिमालय रेंज के नये पहाड़ों के बेतरतीब काटने के संभावित खतरों पर कोई अध्ययन भी नहीं हुआ। सनद रहे सन 2014 से 2020 के बीच मणिपुर में भूस्खलन की 20 बड़ी घटनाएं हुई हैं। असल में समूचा पूर्वोत्तर एक तरफ हिमालय पर्वतमाला से आच्छादित है तो उसकी भूमि ब्रह्मपुत्र-बराक नदी तंत्र से बहकर आई मिट्टी से निर्मित है। वहां की नदी धारा या नदी में जल आगम मार्ग में थोड़ा भी व्यवधान होता है तो बड़ी प्राकृतिक आपदा आती है। जिस जगह पर यह भयावह हादसा हुआ, वहां पहाड़ों से नीचे उतर कर इजेई नदी आती है। यह इरांग नदी की सहायक है और नगा बहुल जिलों—सेनापति, तमेंगलांग और नाने में बहती है और यहां के लोगों के जीवन का आधार है। यह नदी आगे चलकर बराक में मिल जाती है। लगातार निर्माण, सुरंग बनाने के लिए भारी मशीनों के इस्तेमाल से इस नदी के नैसर्गिक जल प्रवाह में व्यवधान आया और इसी के चलते घाटी पर मिट्टी की पकड़ कमजोर हुई, जिसके आंचल तले रेलवे स्टेशन निर्माण का कैंप लगा था। वैसे भी बीते एक महीने के दौरान कई बार ऐसा हुआ कि त्रिपुरा, मिजोरम, मणिपुर और दक्षिणी असम का बड़ा हिस्सा देश से सड़क मार्ग से पूरी तरह कटा रहा, क्योंकि राष्ट्रीय राजमार्ग-6, मेघालय के पूर्वी जयंतियां जिले में जमीन कटाव से पूरी तरह नष्ट हो गया था। वहां एक बार सड़क ठीक की गई और 24 घंटे में दूसरी बार फिर पहाड़ कट कर सड़क पर आ गया। सोनापुर सुरंग लुम-श्योन के पास बंद हो गई। नगालैंड में नोकलाम जिले में कई गांव ही गायब हो गए। भूस्खलन और नदी के किनारे मिट्टी का कटाव पूर्वोत्तर राज्यों के लिए भयानक है। सदियों-सदियों पहले नदियों के साथ बह कर आई मिट्टी से निर्मित असम राज्य अब इन्ही व्यापक जल श्रृंखलाओं के जाल में फंस कर बाढ़ व भूमि कटाव के शाप से ग्रस्त है। ब्रह्मपुत्र और बराक व उनकी कोई 50 सहायक नदियों का द्रुत बहाव पूर्वोत्तर भारत में अपने किनारों के बस्तियों-खेतों को जिस तरह उजाड़ रहा है, उससे राज्य में कई तरह के सामाजिक-कानून-व्यवस्था और आर्थिक विग्रह जन्म ले रहे हैं। बरसात होते ही कहीं तेज धार जमीन को खा रही है तो कहीं धार के दबाव से पहाड़ कट रहे हैं। राष्ट्रीय बाढ़ आयोग के आंकड़े बताते हैं कि पूर्वोत्तर राज्यों में हर साल बाढ़ का दायरा विस्तारित हो रहा है और इसमें सर्वाधिक खतरनाक है नदियों द्वारा अपने ही तटों को खा जाना। गत छह दशक के दौरान अकेले असम राज्य की 4.27 लाख हेक्टेयर जमीन कट कर पानी में बह चुकी है जो कि राज्य के कुल क्षेत्रफल का 7.40 प्रतिशत है। हर साल औसतन आठ हजार हेक्टेयर जमीन नदियों के तेज बहाव में कट रही है। यह सभी जानते हैं कि पूर्वोत्तर के आठों राज्यों का जीवन, लोक, अर्थव्यवस्था ब्रह्मपुत्र नद व उसकी सखा-सहेलियों की अठखेलियों पर निर्भर है। वर्ष 1912-28 के दौरान जब ब्रह्मपुत्र नदी का अध्ययन किया था तो यह कोई 3870 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र से गुजरती थी। सन 2006 में किए गए इसी तरह के अध्ययन से पता चला कि नदी का भूमि छूने का क्षेत्र 57 प्रतिशत बढ़ कर 6080 वर्ग किलोमीटर हो गया। वैसे तो नदी की औसत चौड़ाई 5.46 किलोमीटर है लेकिन कटाव के चलते कई जगह ब्रह्मपुत्र का पाट 15 किलोमीटर तक चौड़ा हो गया है। अकेले सन 2010 से 2015 के बीच नदी के बहाव में 880 गांव पूरी तरह बह गए, जबकि 67 गांव आंशिक रूप से प्रभावित हुए। ऐसे गांवों का भविष्य अधिकतम दस साल आंका गया है। वैसे असम की लगभग 25 लाख आबादी ऐसे गांवों में रहती है जहां हर साल नदी उनके घर के करीब आ रही है। ऐसे इलाकों को यहां 'चार' कहते हैं। इनमें से कई नदियों के बीच के द्वीप भी हैं। हर बार 'चार' के संकट, जमीन का कटाव रोकना, मुआवजा, पुनर्वास चुनावी मुद्दा भी होते हैं लेकिन यहां बसने वाले किस तरह उपेक्षित हैं इसकी बानगी यहां का साक्षरता आंकड़ा है जो कि महज 19 फीसदी है। यहां की आबादी का 67 प्रतिशत गरीबी रेखा से नीचे है। तिनसुखिया से धुबरी तक नदी के किनारे जमीन कटाव, घर-खेत की बर्बादी, विस्थापन, गरीबी और अनिश्चितता की बेहद दयनीय तस्वीर है। कहीं लोगों के पास जमीन के कागजात हैं तो जमीन नहीं, कहीं बाढ़-कटाव में उनके दस्तावेज बह गए और वे नागरिकता रजिस्टर में 'डी' श्रेणी में आ गए। इसके चलते आपसी विवाद, सामाजिक टकराव भी गहरे तक दर्द दे रहा है। सन 2019 में संसद में एक प्रश्न के उत्तर में जल संसाधन राज्य मंत्री रतनलाल कटारिया ने जानकारी दी थी कि अभी तक राज्य में 86536 लोग कटाव के चलते भूमिहीन हो गए। यह ध्यान रखना होगा कि जलवायु परिवर्तन का सबसे अधिक प्रभाव पूर्वोत्तर राज्यों पर है। सदियों तक दुनिया में सर्वाधिक बरसात के कारण प्रसिद्ध और फिर कम बरसात के कारण दशकों तक बदनाम हो गए चेरापूंजी में इस साल दो दिन ने ही बरसात के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। इसमें कोई शक नहीं कि पूर्वोत्तर की भौगोलिक स्थिति जटिल है। चीन ने तो ब्रह्मपुत्र पर कई विशाल बांध बनाए हैं। इन बांधों में जब कभी जल का भराव पर्याप्त हो जाता है, पानी को अनियमित तरीके से छोड़ दिया जाता है तो बांध से छोड़े गये जल से नदियों की गति बहुत तेज होती है और इससे जमीन का कटाव होना ही है। आज जरूरत है कि पूर्वोत्तर की नदियों में ड्रेजिंग के जरिये गहराई को बढ़ाया जाए। इसके किनारे पर सघन वन लगें और रेत उत्खनन पर रोक लगे।

सू-दोकू नवताल -2163

6	3	7	2		5		8	9
		4	3		6		2	
		1			8	7		6
3			5					
7	2			8			5	3
					2			7
5		6	8			3		
	4		1		3	9		
1	9		7		4	2	6	8

सू-दोकू -2162 का हल

1	9	3	2	4	6	5	8	7
4	7	2	5	1	8	3	6	9
6	5	8	7	3	9	1	2	4
3	8	9	4	5	1	2	7	6
2	4	7	6	9	3	8	1	5
5	1	6	8	7	2	4	9	3
8	2	4	9	6	5	7	3	1
7	6	1	3	2	4	9	5	8
9	3	5	1	8	7	6	4	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2163

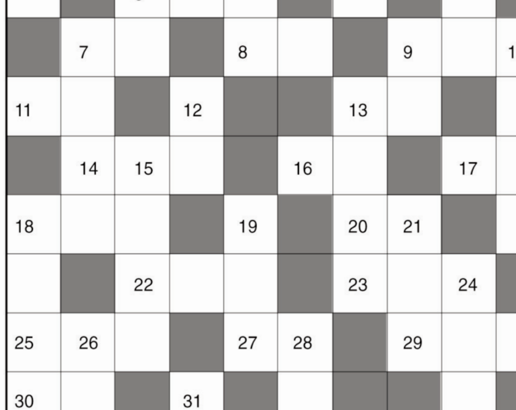

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, सलमान खान, जॉन अब्राहम, हेमा, रानी मुखर्जी की एक फिल्म-3
3. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर अभिनीत एक फिल्म-3,3
6. तुषार कपूर की 'दिलकश ये एहसास है' गीत वाली फिल्म-3
7. 'बेईमान पिया रे' गीत वाली अजग देवगन, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2
8. मिलिंद सोमण, राज जुत्शी की 'गोरी तोरे नैना बावरे' गीत वाली फिल्म-2
9. धर्मेंद्र, जीतेंद्र, हेमा की गुलजार निर्देशित फिल्म-3
11. सनी देओल, तब्बू की 'एक लड़की बस गई' गीत वाली फिल्म-2
13. 'तुझे रब ने बनाया है कमाल' गीत वाली फिल्म-2
14. सलमान खान, किरण झवेरी की एक फिल्म-3
16. राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-2
17. 'फूल मांगूं ना बहार मांगूं' गीत वाली फिल्म-2
18. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-3
20. 'मुंडिया तो बच के' गीत वाली फिल्म-2
22. अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-3
23. 'फिर छिड़ी बात, बात फूलों की' गीत वाली फिल्म-3
25. अभिषेक, अजय देवगन, बिपाशा अभिनीत फिल्म-3
27. फिल्म 'हवस' में अनिल धवन की नायिका-2
29. सनी, सुनील शेट्टी की फिल्म-3
30. सुनील शेट्टी की पत्नी का नाम-2
32. 'दिल ने ये जाना' गीतवाली फिल्म-2
33. 'जिंदगी इम्तिहान लेती है' गीतवाली फिल्म-3
34. 'आई ने के सौ टुकड़े' गीतवाली फिल्म-1

ऊपर से नीचे:-

1. राजेश खन्ना, हेमा, दीपक पाराशर की फिल्म-2
2. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-3
3. 'जिन्हें हम भूलना चाहें' गीत वाली फिल्म-3
4. फिल्म 'शीशा' में सोनू सूद की नायिका-2
5 विनोद खन्ना, महमूद, भारती की फिल्म-3
7. किशोर कुमार, माला सिन्हा की 'तोड़ो ना दिल बेकरार का' गीत वाली फिल्म-4
9. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
10. शाहरुख, विवेक मुशरान, जुही चावला की फिल्म-4
12. शाहरुख खान, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-2
13. 'मेरे नैना सावन भादों' गीतवाली फिल्म-4
15. विनोद मेहरा, रीना राय की फिल्म-4
18. 'चोरों को सारे नजर आते हैं चोर' गीतवाली फिल्म-2,3
19. विनोद खन्ना, ऋषि, श्रीदेवी, जूही की फिल्म-3
21. 'मेरे गाल छुए जो तू' गीतवाली फिल्म-3
24. राहुल खन्ना, जिम्मी शेरगिल तनुश्री दत्ता की फिल्म-3
26. मंगेशकर बहनों में सबसे छोटी बहन का नाम क्या है?-2
28. अमिताभ, अमृता सिंह, मीनाक्षी की फिल्म-3
31. 'मखमली ये बदन' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2162

रि	श्ते		अं	दा	ज		अ	ल	ग
स्क		रा	जा		ख्म		ध		र
	अ	ज	न	बी		जु	र्म		म
बे		पू		स		ल्मी		प्रे	म
ता	क	त		सा	थी		दि		सा
ब			फू	ल		अ	ल	बे	ला
	का	श		बा	द	ल		टा	
म		बा	रू	द		हि	ना		वि
ह	सी	ना			लै	ला		दा	वा
ल			रे	ड		ल	क्ष्य		ह

आईटी शेयरों में बिकवाली से शेयर बाजार में गिरावट

- सेंसेक्स 300 अंक टूटा, निफ्टी 16,200 से नीचे

मुंबई ।
एशियाई बाजारों में कमजोरी और आईटी शेयरों में बिकवाली के चलते प्रमुख शेयर सूचकांकों में सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट हुई। ऐसे में 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 330.14 अंक गिरकर 54,151.70 पर आ गया, जबकि व्यापक एनएसई निफ्टी 102.75 अंक फिसलकर 16,117.85 पर था। सेंसेक्स में भारती एयरटेल, टीसीएस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, विप्रो, इंफोसिस और अल्ट्राटेक सीमेंट गिरने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। निवेशकों को खुश करने में नाकाम रहने के बाद टीसीएस 4.54 फीसदी लुढ़क गया। देश की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी टीसीएस ने शुक्रवार को जून तिमाही के नतीजे जारी किए थे। इस दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ 5.2 प्रतिशत बढ़कर 9,478 करोड़ रुपए हो गया। इस बीच, एनटीपीसी, एमएंडएम, आईटीसी और आईसीआईसीआई बैंक हरे निशान में थे। टीसीएस के रिजल्ट के बाद सभी आईटी कंपनियां बाजार में दबाव के साथ कारोबार कर रहीं हैं। बीएसई पर इन्फोसिस, एचसीएल टेक, विप्रो, टेक महिंद्रा जैसी दिग्गज आईटी कंपनियों के स्टॉक्स में आज 1 से 2 फीसदी की गिरावट दिख रही है। भारती एयरटेल में सबसे ज्यादा 4 फीसदी की गिरावट आई है और यह टॉप लूजर रही। दूसरी ओर एनटीपीसी, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के स्टॉक्स में तेजी दिख रही है। आज के कारोबार में बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप पर कोई बदलाव नहीं दिख रहा और दोनों ही इंडीसेज फ्लैट कारोबार कर रहे हैं। सबसे ज्यादा बदलाव आईटी सेक्टर में दिख रहा है। निफ्टी का आईटी सेक्टर 3 फीसदी टूट चुका है। इसके अलावा निफ्टी मेटल, फार्मा के स्टॉक्स भी लाल निशान पर ट्रेडिंग कर रहे हैं। निफ्टी बैंक और ऑटो में आज तेजी का रुख बना हुआ है।

भारतीय रियल एस्टेट में निवेश प्रवाह 14 फीसदी बढ़ाः रिपोर्ट

मुंबई । एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022 की पहली छमाही के दौरान भारतीय रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश 2.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो 2021 की पहली छमाही से 14 फीसदी अधिक है। कोविड-19-प्रेरित व्यवधानों के बाद, भारतीय रियल एस्टेट स्पेक्ट्रम में देखी गई वसूली से निवेशक उत्साहित हैं। एच1 2022 के दौरान आमद का नेतृत्व कार्यालय क्षेत्र द्वारा किया गया था, जिसमें लगभग 48 प्रतिशत हिस्सेदारी है, इसके बाद खुदरा क्षेत्र में 19 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। तिमाही आधार पर, 2022 की दूसरी तिमाही में अंतर्वाह पूर्ववर्ती तिमाही से बढ़ा है, जबकि 2021 के औसत तिमाही अंतर्वाह से 50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। दिल्ली-एनसीआर में सबसे अधिक 35 प्रतिशत की आमद हुई, इसके बाद मुंबई में 11 प्रतिशत और चेन्नई में 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी रही। हालांकि, 2022 की पहली छमाही के दौरान निवेश में 43 प्रतिशत के साथ बहु-शहर सौदों में वृद्धि जारी है। ये सौदे कई शहरों में संपत्ति के लिए इकाई के नेतृत्व वाले हैं।

स्टर्लिंग जेनरेटर्स ने मोटेर्स बौडुऑन के साथ की रणनीतिक साझेदारी

नई दिल्ली। स्टर्लिंग जेनरेटर्स ने सोमवार को बिजली उत्पादन में उपयोगी डीजल और गैस इंजन के एक फ्रांसीसी विनिर्माता कंपनी मोटेर्स बौडुऑन के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। बयान में कहा गया कि स्टर्लिंग जेनरेटर्स प्राइवेट लिमिटेड (एसजीपीएल) और बिजली उत्पादन में उपयोगी डीजल और गैस इंजन बनाने वाली कंपनी मोटेर्स बौडुऑन को रणनीतिक साझेदारी की घोषणा करते हुए गर्व महसूस हो रहा है। स्टर्लिंग जेनरेटर्स, स्टर्लिंग एंड विल्सन समूह की कंपनी है और भारत में जेनसेट कारोबार की अग्रणी कंपनी है। इस साझेदारी से सहायक बिजली श्रेणी में दोनों कंपनियों के कारोबार में तेजी आने की उम्मीद है। स्टर्लिंग जेनरेटर्स के एक अधिकारी ने कहा कि यह साझेदारी बिजली उपभोक्ताओं को एक स्मार्ट, पर्यावरण के अनुकूल, लागत प्रभावी उत्पाद मुहैया कराने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

एवेन्यू सुपरमार्ट्स का मुनाफा छह गुना उछला

नई दिल्ली। रिटेल चेन डी-मार्ट को संचालित करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स का पहली तिमाही का परिणाम आ गया है। बिक्री में तेजी और पिछले साल के लो बेस के चलते जून तिमाही में कंपनी के प्रॉफिट में छह गुना इजाफा हुआ है। इस दौरान कंपनी का प्रॉफिट 642.89 करोड़ रुपए रहा जबकि पिछले साल समान तिमाही में कंपनी ने 95.36 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। इस साल जून तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू भी 93.66 फीसदी की छलांग के साथ 10,038.07 करोड़ रुपए रहा जो एक साल पहले 5,183.12 करोड़ रुपये था। एवेन्यू सुपरमार्ट्स में दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला के गुरु माने जाने वाले राधाकिशन दमानी और उनके परिवार की 65.2 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी का कहना है कि इस बार जून तिमाही में उसके रिजल्ट की पिछले साल की समान तिमाही से तुलना नहीं की जा सकती है। इसकी वजह यह है कि पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही कोरोना महामारी के कारण बुरी तरह प्रभावित रही थी।

पेटीएम का ऋण वितरण नौ गुना बढ़कर 5,554 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । डिजिटल वित्तीय सेवा फर्म पेटीएम का ऋण वितरण अप्रैल-जून तिमाही में लगभग नौ गुना बढ़कर 5,554 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इस दौरान 84.78 लाख लेनदेन हुए और ऋण वितरण की वार्षिक दर 24,000 करोड़ रुपए के स्तर को पार कर गई। कंपनी ने एक साल पहले की इसी अवधि में कुल 632 करोड़ रुपए के 14.33 लाख ऋण दिए थे। कंपनी ने कहा कि जून 2022 तिमाही के दौरान उसके द्वारा दिए गए ऋण की संख्या सालाना आधार पर 492 प्रतिशत बढ़कर 85 तक पहुंच गई।

अमेरिकी और यूरोपीय बाजारों में रही तेजी

मुंबई ।

अमेरिकी शेयर बाजार ने अब मंदी के डर को पीछे छोड़ दिया और महंगाई के दबाव से भी पार पा लिया है। बाजार को फेड रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में बढ़ोतरी को लेकर बन रही आशंका भी अब दूर होती नजर आ रही है और निवेशक दोबारा पैसे लगाने की तरफ देख रहे हैं। यही कारण रहा कि पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिकी शेयर बाजार ने बढ़त पर कारोबार बंद किया था। अमेरिका के प्रमुख बाजारों में शामिल नैस्डेक पर पिछले सत्र में 0.12 फीसदी की तेजी दिखी थी। अमेरिकी बाजार में आई तेजी का यूरोपीय शेयर बाजारों पर पॉजिटिव असर दिखा और वहां भी सभी प्रमुख शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुए। यूरोप के बड़े शेयर बाजारों में शामिल जर्मनी का स्टॉक एक्सचेंज पिछले सत्र में 1.34 फीसदी की जोरदार बढ़त पर बंद हुआ था, जबकि फ्रांस के शेयर बाजार में 0.44 फीसदी की तेजी दिखी थी। लंदन स्टॉक एक्सचेंज भी 0.10 फीसदी की उछाल पर बंद हुआ था।

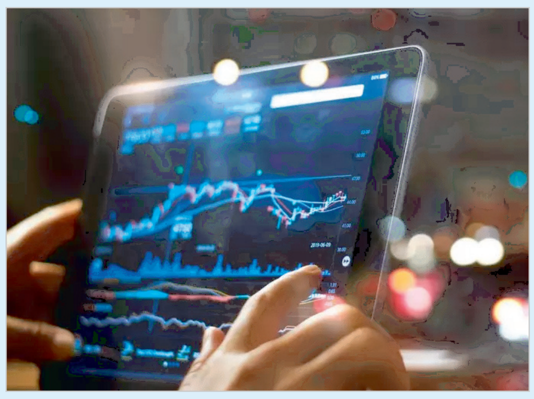

खाद की बढ़ती कीमतों और अन्य कई कारणों से गेहूं के बाद अब चावल उत्पादन कम होगा, निर्यात भी घटेगा

नई दिल्ली ।

दुनिया में खाद की बढ़ती कीमतों और वैश्विक सप्लाई चेन में दिक्कतों के कारण से एशिया में चावल उत्पादन इस बार घटने का अनुमान है। वहीं, दूसरी तरफ मांग बढ़ने की संभावना है। लिहाजा फिर से फूड सिक्योरिटी और इंफ्लेशन के लिए जोखिम बढ़ेगा। कासिकोर्न बैंक पीसीएल की एक रिसर्च इकाई के अनुसार, दुनिया के दूसरे सबसे बड़े निर्यातक थाईलैंड में फसल की पैदावार में गिरावट आ सकती है। इसकी मुख्य वजह खाद और दूसरे फसल पोषक तत्वों की कीमतों में वृद्धि है। वहीं, चावल का दूसरा सबसे आयातक फिलीपींस में बुआई घटने की वजह से उसके द्वारा खरीद बढ़ेगी। चीन कीटों से होने वाले नुकसान की वजह से चिंतित है, जबकि भारत का उत्पादन अच्छे मानसून पर निर्भर करता है। दुनिया का अधिकांश चावल एशिया में उगाया और खाया जाता है। लिहाजा यह इस क्षेत्र में राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण हो जाता है। रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद गेहूं और मकई की कीमतों में उछाल के विपरीत, चावल का रेट कम हुआ है। लेकिन इसकी कोई गारंटी नहीं है कि यह ऐसा ही रहेगा। ऐसे ही हालात में 2008 की शुरुआत में, आपूर्ति को लेकर घबराहट के बीच कीमतें 1,000 डॉलर प्रति टन से ऊपर चढ़ गईं थीं, जो अब के स्तर से दोगुने से भी अधिक हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, गेहूं, मक्का और खाना पकाने के तेल की कीमतों की सारी बढ़त इस साल के अन्त में खत्म हो गई क्योंकि आपूर्ति के लिए बेहतर दृष्टिकोण बन गया। कृषि उत्पादन अंततः मौसम पर निर्भर है, जो जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप अधिक अनिश्चित होता जा रहा है। गेहूं और मकई की लागत में कोई भी ताजा उछाल अनिवार्य रूप से भोजन और पशुओं के चारे के लिए चावल की मांग को फिर से बढ़ा देगी। द राइस ट्रेडर के उपाध्यक्ष, वी. सुब्रमण्यन ने कहा कि भारत में चावल की फसल पर बहुत कुछ निर्भर करता है, जो दुनिया के निर्यात का लगभग 40 फीसदी निर्यात करता है। वैश्विक आपूर्ति जोखिम में है, लेकिन अभी के लिए हमारे पास अभी भी बड़े पैमाने पर भारतीय उपलब्धता है जो कीमतों पर लगाम लगा रही है।

हालांकि देश में मानसून की वजह से चावल की बुआई प्रभावित हो रही है। भारत में केंद्र सरकार राज्यों को जो गेहूं देती है उसमें कटौती करके चावल ज्यादा दे रही है। लिहाजा चावल की डिमांड और बढ़ेगी। ऐसी स्थिति में वैश्विक और घरेलू परिस्थितयां चावल के निर्यात को इस साल प्रभावित कर सकती हैं।

इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने सरकार उठा रही बड़ा कदम

- राष्ट्रीय राजमार्गों पर बनेंगे बैटरी स्वैपिंग और चार्जिंग स्टेशन

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए कई जरुरी कदम उठा रही है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने कई प्रकार के चार्जिंग पॉइंट से लैस वेसाइड सेंटर विकसित करने के लिए स्वर्णिम चतुर्भुज राजमार्ग, पूर्व-पश्चिम और उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर और ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे पर लगभग 700 साइटों की पहचान की है।सरकार बढ़ावा राष्ट्रीय राजमार्गों पर कई बैटरी स्वैपिंग और चार्जिंग स्टेशन विकसित करने के लिए एक रोडमैप तैयार कर रही है।

मंत्रालय ने प्रस्ताव दिया है कि चार्जिंग सेंटरों के निर्माण के कॉन्ट्रैक्ट में बैटरी स्वैपिंग स्टेशन भी शामिल हैं। मोर्थ के सचिव गिरिधर अरमाने ने कहा, 'हम राष्ट्रीय स्तर पर चार्जिंग बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहे हैं। हमने ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर लगाने के लिए आगामी और ऑपरेशनल हाईवों पर 700 स्पॉट की पहचान की है। बुनियादी ढांचे में चार्जिंग पॉइंट और बैटरी स्वैपिंग दोनों सुविधाएं शामिल होंगी।' सरकार से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वह बैटरी स्वैपिंग नीति को जल्द ही अंतिम रूप दे दे ताकि ईवी यूजर्स को अपनी मौजूदा वाहन बैटरी चार्ज करने के लिए घंटों इंतजार किए बिना स्वैपिंग स्टेशनों पर अपनी डिस्चार्ज की गई बैटरी को चार्ज यूनिट से बदलने की अनुमति मिल सके। इस मामले में नीति आयोग द्वारा बैटरी स्वैपिंग के लिए एक ड्राफ्ट पॉलिसी जारी की गई है। एक सरकारी अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि ग्रीन हाईवे भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में मदद करेंगे।

उन्होंने कहा, 'जैसे-जैसे अधिक से अधिक शहर अपने चार्जिंग बुनियादी ढांचे में सुधार करेंगे, राजमार्गों पर मोबिलिटी ईवी को अपनाने को बढ़ावा देगी। ईवी सपोर्ट स्टेशनों के लिए 700 साइट केवल एक शुरुआत होगी और लक्ष्य राजमार्गों के साथ हर 10-20 किमी पर चार्जिंग की सुविधा है।' एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बैटरी स्वैपिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने देश में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की मांग तेजी से बढ़ेगी। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी को एक बड़ी बाधा के रूप में दूर किया जा सकता है।

ईवी सेगमेंट के लिए बैटरी स्वैपिंग अगला बड़ा विकास होगा, क्योंकि यह दोपहिया और तिपहिया सेगमेंट की जरूरतों को पूरा करेगा और बाजार के आकार को बढ़ाने में मदद करेगा।भारत ने 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ईवी की संख्या बढ़ाना महत्वपूर्ण होगा।

कच्चे खाने के तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली ।

खाने के तेलों की कीमतों में 2019 के ओ खिर से तेजी शुरू हुई जो अब तक बरकरार है। हालांकि, कच्चा खाद्य तेल अब धीरे-धीरे नरम पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र के अंतर्गत आने वाली फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन (एफएओ) के अनुसार मार्च में फूड प्राइस इंडेक्स 159.7 अंकों के साथ अपने शीर्ष पर पहुंच गया था। बता दें कि यह रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण के अगले महीने हुआ था। एक रिपोर्ट के अनुसार फूड कमोडिटीज की कीमतें अपने शीर्ष से 3.4 फीसदी गिरकर जून में 154.2 पॉइंट्स पर पहुंच गईं। बात अगर खाने के तेल की करें तो इसमें बड़ी गिरावट देखने को मिली है। यह 251.8 से 211.8 अंकों तक पहुंच गया है। वहीं अप्रैल 2020 से मार्च 2022 के बीच इसमें जोरदार तेजी देखने को मिली थी और ये 81.2 अंकों से बढ़कर 251.8 अंक तक पहुंच गया था। 9 मार्च को बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में क्रूड पाम ऑयल 7,268 रिंगिट पर ट्रेड कर रहा था। वहीं बीते शुक्रवार को ये गिरकर 4,157 रिंगिट तक पहुंच गया. इसमें करीब 42 फीसदी की गिरावट आई है। 4 महीने पहले तेल और उसकी ढुलाई की कीमत मिलाकरः 2,000 डॉलर प्रति टन था। वहीं सोयाबीन ऑयल 1,925 डॉलर प्रति टन, सूरजमुखी का कच्चा तेल 2,100 डॉलर प्रति टन था। अब क्रूड पाम 1,185 डॉलर, सोयाबीन 1,460 डॉलर और सूरजमुखी 1,700 डॉलर प्रति टन है। हालांकि, क्रूड पाम ऑयल एक हार्ड ऑयल है। भारत हर साल करीब 23 मिलियन टन खाद्य तेल की खपत करता है. इसमें से 13.5-14.5 मिलियन टन आयात किया जाता है। आयात किए गए तेलों में मुख्यतः पाम ऑयल, सोयाबीन व सूरजमुखी का तेल है। वहीं भारत खुद सरसों, सोयाबीन, कॉटनसीड ऑयल और मूंगफली के तेल का उत्पादन करता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण आपूर्ति श्रृंखला में जो बाधाएं पैदा हुई थीं वह अब धीरे-धीरे घट रही हैं।

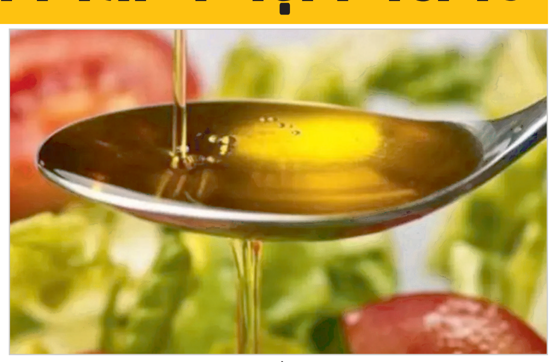

इंडिगो के एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस टेक्नीशियन कम वेतन के विरोध में छुट्टी पर

नई दिल्ली ।

इंडिगो के एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस टेक्नीशियन दिल्ली और हैदराबाद में पिछले दो दिन से सिक लीव पर चले गए हैं। वे कम वेतन के विरोध में छुट्टी पर गए हैं। सूत्रों ने 10 जुलाई को यह जानकारी दी। 2 जुलाई को भी इंडिगो की घरेलू उड़ानों में से लगभग 55 प्रतिशत में देरी हुई. उस समय भी एयरलाइन के केबिन क्रू सदस्यों की एक बड़ी संख्या ने बीमारी का बात कह कर छुट्टी ले ली थी। इंडस्ट्री के सूत्रों ने कहा कि वे एयर इंडिया के भर्ती अभियान के लिए साक्षात्कार देने गए थे। जानकारों के मुताबिक, कोरोना महामारी के दौरान इंडिगो ने अपने कर्मचारियों के एक बड़े वर्ग का वेतन कम था। लिहाजा एम्प्लाई में असंतोष है। दूसरी तरफ नई एयरलाइन अकासा एयर, जेट एयरवेज और टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने रिक्रूटमेंट शुरू कर दिया है। इस कारण इस कंपनी में काफी हलचल है। इंडिगो ने इस मामले पर मीडिया के सवालों का कोई जवाब नहीं दिया है। इस समय एयरलाइन इंडस्ट्री में काफी तेजी से और नई नई घटनाएं हो रही हैं। राकेश झुनझुनवाला की आकासा एयरलाइन जल्द ही उड़ान भरने वाली है। इस एयरलाइन को सभी मंजूरी मिल गई है और ये जुलाई आखिर या अगस्त से उड़ान भरने लगेगी। लिहाजा कंपनी ने बड़े पैमाने पर हायरिंग की है। वहीं टाटा के स्वामित्व वाली एयरइंडिया भी उड़ने को तैयार है। उसने भी अपने बहुत सारे पुराने स्टॉफ के साथ नए लोगों को अपने साथ जोड़ा है।

इस वजह से इस सेक्टर में सैलरी अच्छी भी लोगों को मिल रही है। लिहाजा पुरानी कंपनी में पहले से काम कर रहे लोग भी वेतन बढ़ाने के लिए कंपनी से मांग कर रहे हैं।

स्टार्टअप कंपनियों का निवेश कम हुआ, अप्रैल-जून में 40 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली ।

भारतीय स्टार्टअप कंपनियों में चालू वित्तीय वर्ष की दूसरी अप्रैल-जून तिमाही के दौरान निवेश 40 फीसदी घटकर 6.8 अरब डॉलर रह गया। जियो-पॉलिटिकल संकट के कारण स्टार्टअप कंपनियों को मिलने वाले निवेश में कमी आई है। पीडब्ल्यूसी इंडिया की रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। पीडब्ल्यूसी इंडिया की रिपोर्ट 'स्टार्टअप डील ट्रैकर-अप्रैल-जून तिमाही के मुताबिक, शुरुआती चरण के डील में कुल मिलाकर 60 फीसदी से अधिक का औसत आकार 50 लाख डॉलर रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया कि लगातार तीन तिमाहियों में 10 अरब डॉलर से अधिक जुटाने के बाद भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम में कुल निवेश चालू कैलेंडर वर्ष की दूसरी तिमाही के दौरान 40 फीसदी घटकर 6.8 अरब डॉलर तक आ गया। रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुस्ती, टेक स्टॉक वैल्यूएशन में कमी, मुद्रास्फीति और जियो-पॉलिटिकल संकट जैसे कारणों को स्टार्टअप कंपनियों के निवेश में गिरावट के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दूसरी तिमाही में आए कुल फंडिंग में सॉफ्टवेयर एज सर्विस और फिनटेक कंपनियों का हिस्सा सबसे ज्यादा रहा। इन क्षेत्र की स्टार्टअप कंपनियों को इस दौरान कुल 3.1 अरब डॉलर से अधिक का निवेश मिला। बेंगलुरु, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और मुंबई देश के प्रमुख स्टार्टअप केंद्र हैं। अप्रैल-जून तिमाही में कुल फंडिंग गतिविधियों में 95 फीसदी का योगदान इन शहरों का रहा। इनके बाद चेन्नई और पुणे का नंबर आता है।

रेडमी के50आई 5जी भारत में आने के लिए तैयार

- 20 जुलाई को हो सकता है लॉन्च

नई दिल्ली ।

चाइनीज कंपनी का रेडमी के50आई 5जी भारत में आने के लिए तैयार है। कंपनी भारत में ओप्पो रेनो 8 सीरीज के लॉन्च के ठीक दो दिन बाद यानी 20 जुलाई को फोन लॉन्च करेगी। एक विश्वसनीय टिपस्टर का हवाला देते हुए प्राइसबाबा की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रेडमी के50आई 5जी स्मार्टफोन 22 जुलाई से बिक्री के लिए उपलब्ध होगा।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फोन दो वेरिएंट में आ जाएगा। बेस वेरिएंट में 6जीबी रैम और 128जीबी स्टोरेज मिलेगा, जबकि टॉप-ऑफ-द-लाइन वेरिएंट में 8जीबी रैम और 256जीबी स्टोरेज होने की बात कही गई है।कहा जा रहा है कि फोन फैंटम ब्लू, स्टील्थ ब्लैक और क्विक सिल्वर कलर में आएगा। चूंकि रेडमी के50आई 5जी को रेडमी नोट 11टी प्रो का रीब्रांडेड वर्जन माना जा रहा है, इसलिए उनके स्पेसिफिकेशंस एक जैसे हो सकते हैं। फोन 144एचझेड रिफ्रेश रेट और डोल्बी विजन सपोर्ट के साथ 6।6-इंच का फुल एचडी प्लस आईपीएस डिस्प्ले स्पोर्ट कर सकता है।रेगुलर रेडमी नोट 11टी प्रो में 67 डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग के साथ एक नियमित 5080 एमएएच की बैटरी है, जबकि नोट 11टी प्रो+ में 4400 एमएए की छोटी बैटरी है लेकिन 120डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग है।

फोन 67डब्ल्यू तक फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 5080 एमएएच की बैटरी मिल सकती है। बता दें कि हाल ही में रेडमी के50 आई 5जी को बीआईएस लिस्टिंग में देखा गया था और रेडमी ने पुष्टि की थी कि कंपनी जल्द ही के-सीरीज के स्मार्टफोन भारत में लॉन्च करेगी। रेडमी के50आई 5जी पूरी तरह से परफोर्मेंस पर ध्यान केंद्रित करेगा। फोन के चीनी वेरिएंट में बहुत शक्तिशाली डाइमेंशन 8100 चिप है, जो स्नैपड्रैगन 888 के समान परफोर्मेंस प्रदान करता है। फोन 64एमपी+8एमपी+2एमपी ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप के साथ आता है।

15 जुलाई को कोलंबिया रवाना होंगे भारतीय तीरंदाज

नई दिल्ली। भारतीय तीरंदाज कोलंबिया में होने वाले तीरंदाजी विश्व कप स्टेज-4 स्पर्धा में भाग लेने के लिए 15 जुलाई को रवाना होंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजन 15 से 25 जुलाई तक होगा। इसके लिए ये तीरंदाजों ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के सोनीपत शिविर में में अभ्यास करना शुरू कर दिया है जिससे वे कोलंबिया के हालातों से तालमेल बना सकें। इससे पहले भारतीय टीम ने विश्वि कप स्टेज-3 में शानदार प्रदर्शन किया था। गौरतब है कि साई में देशभर के चयनित तीरंदाज शामिल हुए हैं। कोलंबिया में 15 जुलाई से 25 जुलाई तक होने वाले तीरंदाजी विश्व कप स्टेज-4 के लिए भारतीय दल में 16 तीरंदाज, चार कोच, दो फिजियोथैरेपिस्ट और एक मनोविज्ञानी को शामिल किया गया है। इसमें भारतीय दल से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें हैं।

एकदिवसीय सीरीज में जीत से शुरुआत के लिए उतरेगी टीम इंडिया

लंदन ।

भारत ओर मेजबान इंग्लैंड के बीच मंगलवार से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज शुरु होगी। टी20 सीरीज में जीत उत्साहित भारतीय टीम इस सीरीज को भी जीतने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि उनकी टीम आक्रामक क्रिकेट खेलना जारी रखेगी। इस साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए से सीरीज अहम रहेगी। रोहित का भी कहना है कि अब हर मैच महत्वपूर्ण रहेगा। वहीं देखना यह है कि टी20 सीरीज में रन बनाने में विफल रहे अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को इस मैच में शामिल किया जाएगा या नहीं। विराट के लगातार खराब प्रदर्शन को देखते हुए दिग्गज खिलाड़ियों की ओर से उन्हें बाहर किये जाने की मांग भी उठ रही है हालांकि रोहित ने विराट का बचाव ही किया है।

यह सीरीज वापसी कर रहे शिखर धवन जैसे खिलाड़ी के लिए काफी अहम होगी, क्योंकि आगामी वेस्टइंडीज दौरे पर उन्हें टीम का नेतृत्व करना है। धवन ने आईपीएल में अच्छे रन बनाये थे और उम्मीद है कि वह यहां भी अच्छा खेलेंगे। वहीं भारतीय टीम को सूर्यकुमार यादव से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। सूर्यकुमार ने अंतिम टी20 में शतक लगाकर अपने इरादे दिखा दिये थे।

विराट अगर इस मैच में उतरते हैं तो उनपर रन बनाने का भारी दबाव रहेगा। एकदिवसीय होने के कारण हालांकि उन्हें रन बनाने के लिए समय जरुर मिलेगा। गेंदबाजी आक्रमण की बात करें तो भारतीय टीम के पास जसप्रीत बुमराह , मोहम्मद शमी और स्पिनर के तौर पर युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल जैसे गेंदबाज हैं।

वहीं दूसरी ओर मेजबान टीम की बात करें तो इंग्लैंड के नियमित कप्तान के तौर पर जोस बटलर की यह पहली एकदिवसीय सीरीज होगी। ऐसे में टीम टी20 सीरीज की हार को भूलकर जीत के इरादे से उतरेगी। टीम के पासा बेन स्टोक्स, जो रूट और जॉनी बेयरस्टो जैसे खिलाड़ी है। बेयरस्टो पिछ्ले कुछ समय से शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं। टीम के पास गेंदबाज के तौर पर सैम कुरेन, लियाम लिविंगस्टोन , और मोईन अली जैसे खिलाड़ी हैं। ऑलराउंडर बेन स्टोक्स भी गेंद ओर बल्ले से एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं जिनसे टीम इंडिया को सावधान रहना होगा।

दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड: जोस बटलर (कप्तान), मोईन अली, जॉनी बेयरस्टो, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, सैम कुरन, लियाम लिविंगस्टोन, क्रेग ओवरटन, मैथ्यू पार्किंसन, जो रूट, जेसन रॉय, फिल साल्ट, बेन स्टोक्स, रीसे टॉपली, डेविड विली।

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), शिखर धवन, ईशान किशन, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह।

वेंकटेश प्रसाद सहित पूर्व क्रिकेटरों ने की विराट को बाहर करने की मांग

मुम्बई ।

पूर्व क्रिकेटरों ने खराब फार्म में चल रहे भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली को टीम से बाहर किये जाने की मांग की है। विराट पिछ्ले दो साल से अधिक समय से रनों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस दौरान वह एक भी शतक नहीं लगा पाये हैं। इंग्लैंड दौरे में भी वह टेस्ट सीरीज के बाद टी20 में भी रन नहीं बना पाये। इसी को लेकर पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने कहा कि जब सौरव गांगुली, वीरेन्द्र सहवाग, हरभजन सिंह और युवराज सिंह को बाहर किया जा सकता है तो विराट को क्यों नहीं बाहर किया जा सकत। इससे पहले महान ऑलराउंडर कपिल देव ने भी कहा था कि विराट प्रदर्शन नहीं कर रहे तो उनकी जगह युवा खिलाड़ियों को अवसर देना चाहिये। वेंकटेश ने ट्विटर पर कहा, 'एक समय ऐसा था जब आपका फार्म खराब है तो टीम से बाहर कर दिया जाता था। वह भी इस बात को ध्यान में बिना रखे कि कौन किना बड़ा खिलाड़ी है। सौरव, सहवाग, युवराज, जहीर, भज्जी इन सभी को फार्म में नहीं होने के कारण टीम से बाहर कर दिया गया था। यहां तक कि अनिल कुंबले जैसे दिग्गज स्पिनर को भी टीम से बाहर बैठना पड़ा था। इसके बाद ये सभी खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में वापस गए और रन बनाकर उन्होंने टीम में वापसी की।' विराट का इससे पहले आईपीएल में प्रदर्शन भी खराब रहा था। अब जो भी खिलाड़ी फार्म में नहीं होता उसे आराम दे दिया जाता है। यह विराट के साथ भी होना चाहिये। हमारे देश में बहुत सारी प्रतिभाएं हैं। टीम में केवल प्रतिष्ठा के आधार पर नहीं रखा जा सकता।

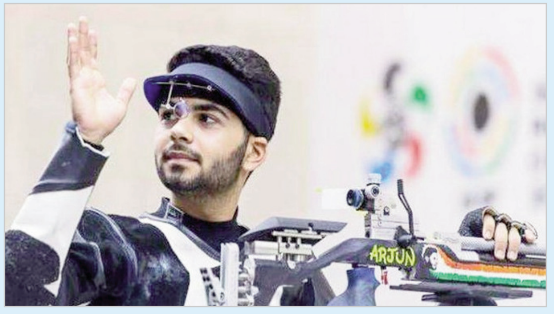

भारतीय निशानेबाज अर्जुन ने आईएसएसएफ विश्व कप में स्वर्ण पर निशाना लगाया

चांगवन । भारतीय युवा निशानेबाज अर्जुन बबूता ने यहां आईएसएसएफ विश्व कप में पुरुष 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। स्वर्ण पदक के लिए हुए मुकाबले में अर्जुन ने टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता लुकास कोजेंस्की को 17-9 से पराजित किया। अर्जुन रैंकिंग मुकाबले में 661.1 अंक के साथ नंबर एक पर रहते हुए स्वर्ण पदक के मुकाबले में जगह बनाने में सफल रहे थे। यह अर्जुन का सीनियर टीम की ओर से पहला स्वर्ण पदक है। उन्होंने इससे पहले अजरबेजान के गबाला में 2016 जूनियर विश्व कप में भी स्वर्ण पदक जीता था। इस स्पर्धा में भाग ले रहे एक अन्य भारतीय पार्थ मखीजा 258.1 अंक के साथ ही चौथे स्थान पर रहे। वहीं इजराइल के 33 साल के सर्गेई रिक्टर 259.9 अंकों के साथ ही तीसरे स्थान पर रहे।

ब्रेसवेल की तूफानी पारी से न्यूजीलैंड ने पहला एकदिवसीय जीता

डबलिन ।

माइकल ब्रेसवेल के शानदार शतक से न्यूजीलैंड ने पहले ही एकदिवसीय मुकाबले में मेजबान टीम आयरलैंड को एक विकेट से हरा दिया। इस मैच में ब्रेसवेल ने अपने करियर की सबसे बेहतर पारी खेली। इस मैच में न्यूजीलैंड टीम को अंतिम ओवर में जीत के लिए 20 रन बनाने थे। ऐसे में ब्रेसवेल ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अंतिम ओवर की पहली 5 गेंद पर 24 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। इससे पहले आयरलैंड ने हेरी टेक्टर के शतक की सहायता से 9 विकेट पर 300 रन बनाये थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने 120 रनों पर ही 5 विकेट खो दिये। इसके बाद 7वें नंबर पर उतरे ब्रेसवेल ने अपनी टीम को शानदार जीत दिलायी। अंतिम ओवर तेज गेंदबाज क्रेग यंग ने फेंका पर ब्रेसवेल ने पहली और दूसरी गेंद पर चौका लगाने के बाद तीसरी गेंद पर छक्का जड़ दिया। इसके बाद एक चौका और छक्का लगाकर टीम को जीत दिलायी। यह एकदिवसीय क्रिकेट इतिहास में पहली बार है जब 50वें ओवर में 20 या उससे अधिक रन बनाकर किसी टीम ने मैच जीता है। इससे पहले यह रिकॉर्ड 18 रन का था।

संक्षिप्त समाचार

बेयरस्टो जून महीने के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बने

दुबई । अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इंग्लैंड के बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो को जून महीने के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना है। बेयरस्टो के अलावा इंग्लैंड के ही जो रूट और न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल भी इस दौड़ में शामिल थे पर अंत में बेयरस्टो ने बाजी मार ली। भारत के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाने से पहले बेयरस्टो ने न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार दो टेस्ट मैचों में शतक लगो थे जिसके कारण उन्हें यह सम्मान मिला है। बेयरस्टो ने नॉटिंघम में हुए दूसरे टेस्ट के अंतिम दिन 136 रन की मैच विजेता पारी खेली थी। उनकी इसी पारी की मदद से इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 50 ओवर के भीतर ही 299 रन के लक्ष्य का पीछा कर जीत हासिल की थी। बेयरस्टो ने नॉटिंघम में 136 रन की पारी खेलने के दौरान इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट का दूसरा सबसे तेज शतक भी लगाया था। इसके बाद उन्होंने लीड्स में हुए तीसरे टेस्ट में भी 162 और नाबाद 71 रन की पारी खेली थी। इस वजह से इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 3 टेस्ट की सीरीज में हराया था। उन्होंने भारत के खिलाफ एजबेस्टन में हुए पांचवें टेस्ट में भी अपने इस फॉर्म को बरकरार रखा और दोनों ही पारियों में शतक लगाकर भारत का 15 साल बाद इंग्लैंड में सीरीज जीतने का सपना पूरा नहीं होने दिया था। आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर बेयरस्टो ने कहा, मैं आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ के रूप में मुझे वोट देने के लिए प्रशंसकों को धन्यवाद देना चाहता हूं।

मैच के बीच ही श्रीलंकाई बल्लेबाज कोरोना संक्रमित होने के कारण बाहर हुआ

गाले । श्रीलंकाई टीम के सलामी बल्लेबाज पथुम निशंका को कोराना संक्रमित होने के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गाले स्टेडिम में जारी दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के बीच में ही बाहर होना पड़ा है। निशंका को जांच में संक्रमित पाये जाने के बाद से ही दूसरे होटल में पृथकवास पर भेज दिया गया। अब वह बचे हुए टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे। वहीं उनकी जगह पर ओशादा फर्नांडो को टीम में शामिल किया गया है। श्रीलंकाई क्रिकेट ने अपने एक बयान में कहा, निशंका ने एक दिन पहले ही तबीयत ठीक नहीं होने की बात कही थी। इसके बाद कोरोना संक्रमण की जांच के लिए उनका रैपिड एंटीजन टेस्ट कराया गया था। इसकी रिपोर्ट भी संक्रमित निकली थी। इसके बाद आरटी पीसीआर जांच में भी पॉजिटिव पाये जाने पर उन्हें बाहर कर दिया । दो मैच में यह दूसरी बार है जब कोई खिलाड़ी संक्रमित होने के कारण मैच से बाहर हुआ है। इससे पहले पहले एंजिलो मैथ्यूज भी संक्रमित होने के कारण मैच से बाहर हो गये थे। अब तक प्रवीण जयाविक्रमा, धनंजय डिसिल्वा, असिथ फर्नांडो, जैफरी वांडरसे भी इस वायरस की जांच में संक्रमित पाये गये हैं। ऑस्ट्रेलिया सीरीज की शुरुआत के बाद से ही निशंका कोरोना संक्रमित होने वाले श्रीलंका के छठे खिलाड़ी हैं।

जोकोविच ने कोरोना संक्रमण के बाद भी जीता विम्बलडन खिताब

विम्बलडन ।

सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने कोरोना संक्रमण के बाद भी विंबलडन टेनिस का एकल खिताब जीता है। यह जोकोविच का कुल 21वां ग्रैंडस्लैम टाइटल है। इस तरह से जोकोविच ने स्विट्जरलैंड के स्टार खिलाड़ी रोजर फेडरर के 20 खिताबों को पीछे छोड़ दिया है। वहीं स्पेन के राफेल नडाल 22 खिताब के साथ ही शीर्ष स्थान पर बरकारार हैं। जोकोविच ने फाइनल में निक किर्गियोस को 4-6, 6-3, 6-4, 7-6 से हराकर विम्बलडन खिताब अपने नाम किया। इस सर्बियाई खिलाड़ी को पिछले साल कोरोना टीकाकरण नहीं होने के कारण ऑस्ट्रेलियन ओपन में भाग लेने से रोक दिया गया था। तभी से वह परेशान थे।

जीत से उत्साहित जोकोविच ने कहा कि का यह खिताब मेरे जीवन के महत्वपूर्ण समय में आया है। जोकोविच ने 7वीं बार विंबलडन का खिताब जीता है। जोकोविच ने कहा कि इस साल की शुरुआत में आई परेशानियों से वह प्रभावित हुए थे। इससे मैं शारीरिक और मानसिक तौर पर अच्छा अनुभव नहीं कर रहा था। उस समय मुझे ऐसा लगा कि इसमें कुछ समय लगने वाला है। इसलिए मुझे धैर्य रखना होगा।

जोकोविच के अनुसार विम्बलडन जीत से ज्यादा मैंने इस साल क्या किया। यह अधिक महत्वपूर्ण है। अपना खिताब बरकरार रखने के बाद भी विश्व के मौजूदा तीसरे नंबर के खिलाड़ी जोकोविच विश्व रैंकिंग में 7 पायदान नीचे आ जाएंगे, क्योंकि इस साल उनका विंबलडन में कोई अंक नहीं था।

आईसीसी ने ऋषभ से जुड़ा प्रोमो शेयर किया

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टीम इंडिया के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत से जुड़ा एक वीडियो साझा किया है। ऑस्ट्रेलिया में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए यह वीडियो बेहद अहम माना जा रहा है। इस वीडियो में आईसीसी ने जो बात लिखी है उससे यह अंदाज होता है कि ऋषभ आने वाले समय में सबसे बड़े सितारे बनकर उभरेंगे। आईसीसी ने इस विकेटकीपर को लेकर जो वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है, उसमें लिखा है, वेलकम टू बिग टाइम, ऋषभ गौरतलब है कि ऋषभ का अब तक का का प्रदर्शन शानदार रहा है। वह तीनों ही प्रारुपों में एक मैच विजेता खिलाड़ी के तौर पर उभरे हैं। उन्होंने एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ हुए टेस्ट में कठिन हालातों में शतक लगाकर अपनी टीम को संभाला था। इस बल्लेबाज ने टेस्ट क्रिकेट में 5 शतक लगाए हैं। इसमें से चार विदेश में लगाये हैं। उन्होंने इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका तीनों देशों में शतक लगाये हैं। इससे उनकी क्षमताएं साबित होती हैं। आधुनिक क्रिकेट में जिन बल्लेबाजों को खेलते हुए हर प्रशंसक देखना चाहता है , ऋषभ उनमें से एक हैं। वो जेम्स एंडरसन जैसे तेज गेंदबाजों के खिलाफ ही बड़ी आसानी से रिवर्स स्विप लगाते हैं। उन्हें छोटे से करियर में ही भारत के भविष्य के कप्तान के रूप में देखा जाने लगा है। हाल ही में पंत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 टी20 की सीरीज में कप्तानी करने का अवसर दिया गया था। आईसीसी ने ऋषभ से जुड़ा जो प्रोमो शेयर किया है, उसमें एक हेलिकॉप्टर सिडनी ओपेरा हाउस के ऊपर से उड़ रहा है तभी सिडनी हार्बर के अंदर से ऋषभ बाहर निकलते हैं और अपने ही अंदाज में हेलमेट पहने एक हाथ से बल्ला लेकर चलते नजर आ रहे हैं। उनका कद किसी गॉडजिला जैसा नजर आ रहा है।

नकली क्रिकेट लीग के जरिये विदेशी सट्टे के कारोबार का खुलासा

मुम्बई । गुजरात पुलिस ने नकली क्रिकेट लीग की आड़ में चलाये जा रहे विदेशी सट्टे के करोबार का खुलासा किया है। इस फेक लीग में सभी कुछ नकली चल रहा था। गुजरात के वडनगर में आईपीएल की तरह हो रही इस नकली लीग के क्रिकेटर और कमेंटेटर तक सभी फर्जी थे। इस फेक क्रिकेट लीग के नाम पर विदेश से सट्टे का कारोबार चल रहा था। मेहसाणा पुलिस ने इस मामले को लेकर 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन चारों के खिलाफ धोखाधड़ी और सट्टेबाजी के मामले में केस में दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि पुलिस को अभी भी एक आरोपी की तलाश है जो कि रूस में रहता है और वहीं से इस सट्टेबाजी के काम को अंजाम दे रहा था। इस क्रिकेट लीग में चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस, गुजरात टाइटंस और अन्य आईपीएल की टीम के नाम से टीम इसमें शामिल हो रही थी। इसमें रुस के साथ साथ यूरोप के कई देशों से सट्टे लग रहे थे। सबसे खास बात तो यह है कि इन मैचों का यूट्यूब पर लाइव प्रसारण भी किया जा रहा था। यह वडनगर तालुका के मोलिप उर गांव में हो रहा था। पर्दाफाश होने तक इस फेक लीग में क्वार्टर फाइनल तक मुकाबला खेला जा चुका था। इसमें कुछ लोगों ने मालीपुर गांव में एक फॉर्म खरीदा था। उसे पूरी तरीके से मैदान में बदल दिया गया था जहां पिच तैयार की गई थी और लाइट की व्यवस्था भी थी। क्रिकेट से जुड़े पूरा सेटअप लगाया गया था ताकि इसे आईपीएल की तरह दिखाया जा सके।

विराट को लेकर कपिल के बयान से सहमत नहीं रोहित

लंदन ।

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को बाहर किये जाने के पूर्व कप्तान कपिल देव के बयान से वह सहमत नहीं हैं। विराट के लगातार खराब फार्म को देखते हुए कपिल ने उन्हें बाहर किये जाने की सलाह दी थी। विराट इंग्लैंड में हुई टी20 सीरीज में भी रन नहीं बना पाये थे। वह पिछले दो साल से अधिक समय से एक बार भी शतक नहीं लगा पाये हैं। इस को देखकर कपिल ने कहा था कि मैदान में बने रहने के लिए रन बनाने होते हैं। पुराने रिकार्ड के आधार पर कोई खिलाड़ी टीम में बना नहीं रह सकता है पर रोहित इससे सहमत नहीं हैं। वह विराट के बचाव में खुलकर सामने आये हैं। रोहित ने कहा कि कपिल बाहर से खेल देख रहे हैं। वो नहीं जानते कि टीम के अंदर क्या चल रहा है.

रोहित ने कहा, हमारा अपना सोचने का तरीका है। हम अपनी टीम बनाते हैं और इसके पीछे काफी सोच-विचार किया जाता है। हम लड़कों का समर्थन करते हैं और उन्हें अवसर देते हैं। ऐसे में ये बातें आपको बाहर से पता नहीं चलतीं. इसलिए बाहर जो भी हो रहा है, वह अहम नहीं है पर अंदर जो हो रहा है वह वह हमारे लिए अधिक अहम है। रोहित ने साथ ही कहा कि हर किसी का फार्म एक सा नहीं रहता और प्रत्येक खिलाड़ी को खराब दौर से गुजरना पड़ता है पर इससे खिलाड़ी की योग्यता पर प्रभाव नहीं पड़ता है। इसलिए हमें ध्यान रखना चाहिए कि जब कोई खिलाड़ी इतने सालों से अच्छा प्रदर्शन कर रहा हो तो एक या दो सीरीज में खराब प्रदर्शन से उसे खराब खिलाड़ी नहीं कहा जा सकता। हमें उनके पिछले प्रदर्शन को भी देखना चाहिये। टीम के सदस्य विराट का महत्व जानते हैं। वहीं इससे पहले महान ऑलराउंडर कपिल ने कहा था कि जब टेस्ट टीम से स्पिनर आर अश्विन को बाहर किया जा सकता है, जो नंबर दो गेंदबाज हैं, तो आपके नंबर-1 बल्लेबाज के साथ ऐसा क्यों नहीं किया जा सकता है। साथ ही कहा था कि अगर विराट प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं तो आप दीपक हुडा जैसे युवा खिलाड़ियों को अवसर दे सकते हैं।

विम्बलडन में डचेज ऑफ कैम्ब्रिज कैथरीन सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच को ट्रॉफी प्रदान करती हुई।

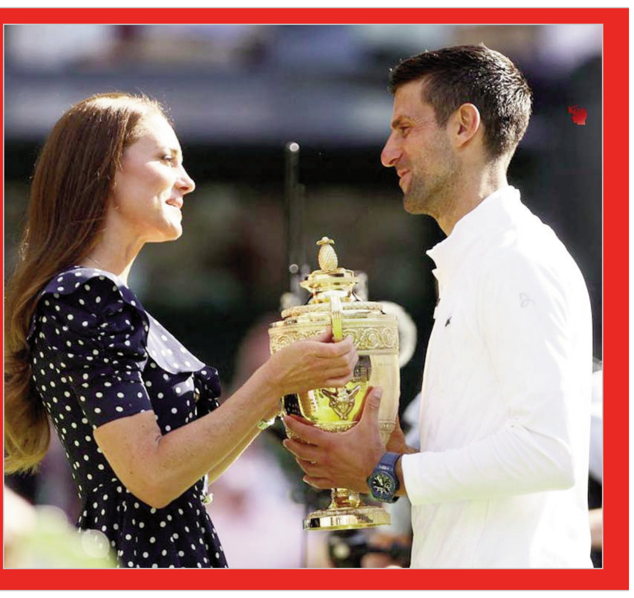

किस तरह के बर्तन में खाना पकाते हैं या खाते हैं आप

किचन के खाने से पूरी फैमिली की सेहत जुड़ी होती है इसलिए खाना बनाते वक्त साफ-सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है लेकिन क्या आप जानती है कि खाना बनाने वाले बर्तनों में भी परिवार की हेल्थ डिपेंड करती है। इस बात पर ध्यान देने की बहुत जरूरत होती है कि हम किस तरह के बर्तन में खाना पकाते हैं या खाते है। आइए जानते हैं कि खाना पकाने के लिए किस तरह के बर्तनों का इस्तेमाल करना चाहिए-

पीतल

पीतल के बर्तनों में खाना पकाना एवं खाना आमतौर पर पुराने समय में ज्यादा किया जाता था। यह नमक और अम्ल के साथ प्रतिक्रिया करता है, इसलिए खट्टी चीजों का या अधिक नमक वाली चीजों को इसमें पकाना या खाना नहीं चाहिए, वरना फूड पॉइजनिंग हो सकती है।

तांबा

तांबे के बर्तनों का इस्तेमाल भी पुराने जमाने से ही किया जाता रहा है और यह भी पीतल की तरह ही अम्ल और नमक के साथ प्रतिकिया करता है। कई बार पकाए जा रहे भोजन में मौजूद ऑर्गेनिक एसिड बर्तनों के साथ रिएक्शन कर ज्यादा कॉपर पैदा कर सकते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाता है।

स्टेनलेस स्टील

स्टेनलेस स्टील का इस्तेमाल आज के समय में काफी चलन में है। यह एक मिक्स धातु है जो लोहे में कार्बन, क्रोमियम और निकल मिलाकर बनाई जाती है। इसमें खाना पकाने या बनाने में सेहत को कोई नुकसान नहीं होता। इन बर्तनों का तापमान बहुल जल्दी बढ़ता है।

एल्युमीनियम

एल्युमीनियम के बर्तनों का इस्तेमाल लगभग हर घर में होता ही है। गर्मी मिलने पर एल्युमीनियम के अणु जल्दी सक्रिय होते हैं और एल्युमीनियम जल्दी गर्म होता है। एल्युमीनियम के बर्तन में खाना पकाना हेल्थ के लिए अच्छा नहीं होता। यह भी एसिड के साथ बहुत जल्दी रिएक्शन करता है, इसलिए इसमें खटाई जैसे अचार, नींबू जैसी चीजों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

लोहा

भोजन पकाने और खाने के लिए लोहे के बर्तनों का इस्तेमाल हर तरह से फायदेमंद होता है। इन बर्तनों में पकाए गए भोजन में आयरन की मात्रा अपने आप बढ़ जाती है और आपको उसका भरपूर पोषण मिलता है। आमतौर पर सभी को आयरन की जरूरत होती है और महिलाओं के लिए खास तौर पर आयरन बहुत फायदेमंद होता है।

नॉन स्टिक

नॉन स्टिक का मतलब है, ना चिपकने वाला। ऐसे बर्तन जिनमें खाना चिपकता नहीं है और पकाने के लिए अधिक तेल या घी की जरूरत भी नहीं होती लेकिन इन बर्तनों को ज्यादा गर्म या खरोंच ना लगाएं, इससे इनमें कई ऐसे केमिकल निकलते हैं जो सेहत को नुकसान पहुंचाते हैं।

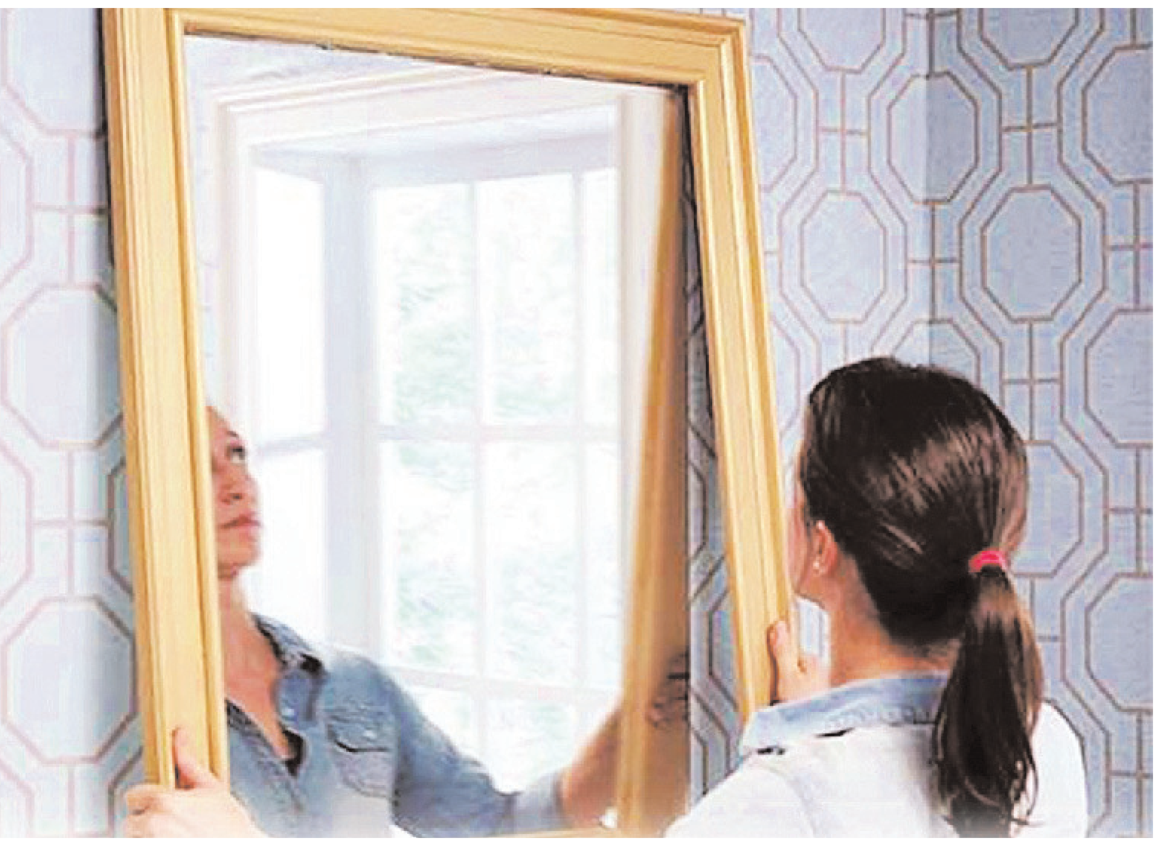

खूबसूरती ही नहीं घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम भी करता है आइना

आइना सिर्फ चेहरा देखने के लिए बल्कि घर की खूबसूरती बढ़ाने का काम भी करता है। मगर आइना अगर वास्तु के हिसाब से लगा हो घर में सुख-शांति बढ़ाने का काम भी करता है। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि घर में पॉजिटिव एनर्जी बढ़ाने के लिए किस आकार, साइज और दिशा में शीशा रखना चाहिए।

पैसों के किल्लत दूर करने के लिए

पैसों की तंगी दूर करने के लिए घर की दक्षिण दिशा में एक बड़ा गोल दर्पण लगाएं। इससे ना सिर्फ पैसों की किल्लत दूर होगी बल्कि यह घर में पॉजिटिव एनर्जी भी बढ़ाएगा।

सुख-शांति बनाए रखने के लिए

वास्तु के अनुसार, घर की उत्तर दिशा में आइना लगाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है और इससे परिवार के सदस्यों में लड़ाई-झगड़ें भी नहीं होती। इसके लिए आप उत्तर दिशा में अंडाकार शीशा लगाएं।

कपल्स के लिए

बेड के सामन दर्पण नहीं होना चाहिए क्योंकि इससे पति-पत्नी के रिश्ते पर बुरा असर पड़ता है। बेडरूम में शीशा ऐसी जगह लगाएं, जहां से इसमें बेड ना दिखे। आप बेडरूम की दक्षिण में तिकोना आइना लगा सकते हैं।

मुख्य दरवाजा

कभी भूलकर भी घर के मुख्य द्वारा पर शीशा ना रखें। ऐसा करने से घर में नाकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। इसके साथ ही मुख्य दरवाजे पर कोई चमकदार चीज भी ना रखें

बाथरूम में इस दिशा में लगाएं आइना

जिन लोगों का बाथरूम दक्षिण या पश्चिम दिशा में है उनको उत्तर दिशा में वर्गाकार आइना लगाना चाहिए। ऐसा करने से बाथरूम का वास्तुदोष खत्म हो जाएगा।

घर में ना रखें टूटा हुआ आइना

घर में कभी-भी टूटा हुआ शीशा नहीं रखना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है। साथ ही इससे परिवार क बीच झगड़े भी होने लगते हैं।

शीशे के शो-पीस

शीशे के शो-पीस को या एक्वेरियम को हमेशा उत्तर-पूर्व दिशा में ही लगाएं। इस दिशा में आइना या शो-पीस लगाने से घर में साकारात्मक ऊर्जा का वासा होगा।

आज के समय में हर महिला अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करना पसंद करती है। यह एक्सपेरिमेंट सिर्फ कपड़ों या स्टाइल तक ही सीमित नहीं होता, बल्कि मेकअप में भी बदलाव करके एक नया लुक पाया जा सकता है। शायद यही कारण है कि हर महिला की मेकअप किट में कई तरह के कलर्स आसानी से मिल जाते हैं। अगर आप भी इस बार पार्टी में न्यू लुक पाने के लिए डार्क लिपस्टिक लगाने का मन बना रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखे

डार्क लिपस्टिक लगाने से पहले रखें ध्यान

लिप्स को करें तैयार

होंठों का फटना एक आम समस्या है। इसलिए अगर होंठ ड्राई या फटे हैं तो पहले उसे एक्सफोलिएट करें। इसके लिए शहद में कुछ बूंदें नारियल तेल व एक चम्मच चीनी डालकर मिक्स करें और उसे होंठों पर लगाकर हल्के हाथों से रब करें। करीबन पांच मिनट बाद ठंडे पानी से होंठ साफ करें।

ऐसे करें शुरूआत

होंठों पर लिपस्टिक लगाने से पहले लिप प्राइमर लगाना जरूरी है। यह आपके लिप्स को एक बेस देते हैं। अगर आप चाहें तो लिप बाम की एक पतली सी लेयर भी लगा सकती हैं। इसके बाद फेस मेकअप करें। जब यह लिप बाम सूख जाए, तो टिश्यू पेपर की मदद से अतिरिक्त बाम को हटाएं और फिर डार्क लिपस्टिक अप्लाई करें।

लिप ब्रश का इस्तेमाल

लिपस्टिक अप्लाई करते समय इस बात का ध्यान रखना बेहद आवश्यक होता है, फिर चाहे आप लाइट लिपस्टिक लगाएं या डार्क। कभी भी लिपस्टिक को सीधे न लगाएं, बल्कि इसके लिए लिपब्रश का प्रयोग करें। ऐसा करने से होंठों के अंत पर भी लिपस्टिक बिना फैले हुए बेहद आसानी से लग जाती है। इतना ही नहीं, लिपब्रश की मदद से लिपस्टिक लगाने के पश्चात होंठों को एक नई डेफिनेशन मिलती है।

इसका रखें ध्यान

यह अवश्य सुनिश्चित करें कि वह आपकी स्किन टोन को कॉम्पलिमेंट करता हो।

तो ये ट्रिक्स अपनाकर बच्चे के स्मार्ट पेरेंट्स बन सकते हैं आप

आज के किड्स बहुत स्मार्ट हैं। उन्हें कुछ सिखाने या बताने की जरूरत नहीं होती। उनकी यही स्मार्टनेंस पेरेंट्स के लिए अनेक मुश्किलें खड़ी कर देती है, जिन्हें हैंडल करना उनके लिए आसान नहीं होता। यदि आप चाहें तो कुछ ट्रिक्स अपनाकर अपने बच्चे के स्मार्ट पेरेंट्स बन सकते हैं।

बच्चों की फिजूलखर्ची

आजकल के बच्चों की फरमाइशें इतनी हैं तो मा-बाप उनकी फिजूलखर्ची से परेशान हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए को वह बच्चे को बचपन से ही सेविंग्स की आदत डालें, ताकि वह अपनी पसंद की चीज खुद खरीद सकें। उन्हें अपनी पॉकेट मनी का कुछ हिस्सा पिग्गी बैंक में जमा करने के लिए कहें। साथ ही बच्चों को पैसों की बैल्यू समझाएं और उन्हें कहें कि वह जरूरत पड़ने पर ही पैसे खर्च करें।

टैक्नोलॉजी के शिकार

टैक्नेलॉजी के बढ़ते प्रभाव से बच्चे भी अछूते नहीं है। वे अपने पेरेंट्स को जैसा करते देखते हैं वैसा ही करते हैं। यदि पेरेंट्स टैक्नो एडिक्ट होंगे तो बच्चे भी टैक्नो एडिक्ट ही बनेंगे। इसके लिए जरूरी है कि बच्चों को टीवी, लैपटॉप, स्मार्टफोन और टैबलेट का इस्तेमाल निर्धारित समय सीमा तक ही करने दें।

स्मार्टफोन, टैबलेट और लैपटॉप पर पासवर्ड लगाकर रखें और कुछ दिन बार पासवर्ड बदलते रहें।

डिनर, पूजा और फैमिली गैदरिंग के समय उन्हें टीवी, लैपटॉप, कम्प्यूटर और मोबाइल से दूर रखें।

बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं और उन्हें वीकेंड में आउटिंग या पिकनिक के लिए ले जाएं।

जब बच्चे हर बात के लिए कहे ना

आजकल बच्चे अपने पेरेंट्स के मुंह पर ही काम करने से मना कर देते हैं। कई बार तो वह यह भी नहीं देखते थे पेरेंट्स थक गए हैं और काम करने से सीधा मना कर देते हैं। ऐसे में उन्हें डांटने या मारने की बजाए प्यार से बात करें और बड़ों का आदर करना सिखाए। इससे वह आरास से आपका कहना मानेंगे।

जब बच्चों पर हो पीयर प्रेशर

बचपन से ही बच्चों में पीयर प्रेशर का असर दिखना शुरू हो जाता है। 11-15 साल के बच्चों पर दोस्तों का दबाव अधिक होता है लेकिन पेरेंट्स इस प्रेशर को समझ नहीं पाते। हालांकि इसका सकारात्मक प्रभाव भी होता है, जैसे कि बच्चा एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टीविटीज में भाग लेने लगता है। मगर कई बार इसका बच्चे इसकी वजह से झूठ, चोरी और स्मोकिंग और क्लास बंक करना जैसी गलत आदतों के आदि हो जाते हैं। ऐसे में पेरेंट्स को चाहिए कि वो बच्चों को सही राह दिखाएं।

बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखें, ताकि वह अपनी हर बात आपसे शेयर करें।

उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा दें तथा उन्हें मजेदार गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करें।

उनके दोस्तों के बारे में पूरी जानकारी रखें।

बच्चों के व्यवहार में कोई बदलाव महसूस होने पर तुरंत उनके टीचर्स और दोस्तों से मिलें। इस बारे में उनसे बात करें।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन को पीछे छोड़ 2023 तक सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बन जाएगा भारत!

(एजेंसी)

भारत के अगले साल दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन से आगे निकल जाने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में सोमवार को यह जानकारी दी गई है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या प्रखंड के आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग द्वारा 'विश्व जनसंख्या संभावना 2022' में कहा गया कि वैश्विक जनसंख्या 15 नवंबर, 2022 को आठ अरब तक पहुंचने का अनुमान है। वैश्विक जनसंख्या 1950 के बाद से सबसे धीमी गति से बढ़ रही है, और 2020 में यह एक प्रतिशत से कम हो गई है। संयुक्त राष्ट्र के नवीनतम अनुमानों से पता चलता है कि दुनिया की जनसंख्या 2030 में लगभग 8.5 अरब और 2050 में 9.7 अरब तक बढ़ सकती है। अनुमान के मुताबिक इसके 2080 के दौरान लगभग 10.4 अरब लोगों की आबादी के साथ ही शिखर पर पहुंचने और वर्ष 2100 तक उसी स्तर पर बने रहने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने कहा, 'इस वर्ष का विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई) एक ऐसे वर्ष के दौरान आता है, जब हम पृथ्वी के आठ अरबवें निवासी के जन्म की उम्मीद कर रहे हैं। यह हमारी विविधता का जश्न मनाने, हमारी समान मानवता को पहचानने और स्वास्थ्य में प्रगति पर आश्चर्य करने का अवसर है जिसने जीवन प्रत्याशा को बढ़ाया है और नाटकीय रूप से मातृ एवं बाल मृत्यु दर में कमी आई है।' उन्होंने कहा, 'इसके साथ ही, यह हमारे ग्रह की देखभाल करने के लिए हमारी साझा जिम्मेदारी की याद दिलाता है और यह प्रतिबिंबित करने का भी वक्त है कि हम अब भी एक दूसरे के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं से कहां चूकते हैं।'

रिपोर्ट में कहा गया है, 'भारत के 2023 के दौरान दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन से आगे निकलने का अनुमान है।÷ इसके मुताबिक, 2022 में दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले क्षेत्र पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी एशिया थे, जहां 2.3 अरब लोग रह रहे हैं, जो वैश्विक आबादी के 29 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं। वहीं, मध्य और दक्षिणी एशिया की आबादी 2.1 अरब है जो कुल वैश्विक जनसंख्या के 26 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करती है। चीन और भारत इन क्षेत्रों में सबसे ज्यादा आबादी वाले देश हैं। इन दोनों देशों की आबादी 2022 में 1.4 अरब से अधिक है। वैश्विक जनसंख्या में 2050 तक अनुमानित वृद्धि की आधे से अधिक आबादी सिर्फ आठ देशों डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, मिस्र, इथियोपिया, भारत, नाइजीरिया, पाकिस्तान, फिलीपींस और तंजानिया में केंद्रित होगी।

रिपोर्ट, 'दुनिया के सबसे बड़े देशों में असमान जनसंख्या वृद्धि दर आकार के अनुसार उनकी रैंकिंग को बदल देगी। उदाहरण के लिए, भारत के 2023 में दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन से आगे निकलने का अनुमान है।÷ रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में भारत की आबादी 1.412 अरब है, जबकि चीन की आबादी 1.426 अरब है। भारत 2023 तक दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश के रूप में चीन को पछाड़ देगा, और उसकी आबादी अनुमान के मुताबिक 2050 में 1.668 अरब होगी, जो सदी के मध्य तक चीन की अनुमानित 1.317 अरब आबादी से बहुत आगे है। रिपोर्ट में अनुमान व्यक्त किया गया कि दस देशों से 2010 और 2021 के बीच 10 लाख से अधिक लोग बाहर गए। इनमें पाकिस्तान (2010-21 के बीच एक करोड़ 65 लाख लोग), भारत (35 लाख लोग), बांग्लादेश (29 लाख लोग), नेपाल (16 लाख लोग) और श्रीलंका (10 लाख लोग) शामिल हैं।

तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा के लद्दाख दौरे पर चीन की नजर, बढ़ रहा ड्रैगन का ब्लड प्रेशर

बीजिंग। (एजेंसी)

तिब्बती धर्म गुरु दलाई लामा 4 साल बाद 15 जुलाई को लद्दाख जा रहे हैं। लेकिन धर्म गुरु का ये दौरा चीन की आंखों में खटक रहा है । इससे पहले दलाई लामा आखिरी बार 2018 में लद्दाख गए थे। चीन इस बात को लेकर पहले ही परेशान है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। दरअसल चीन आज भी तिब्बत को अपना हिस्सा मानता है और दलाई लामा के पद को लेकर अपनी मनमर्जी चलाना चाहता है । 15 जुलाई को पहुंचने के बाद दलाई लामा कितने दिन रुकेंगे, इस बात की कोई जानकारी नहीं हैं। लेकिन हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला स्थित उनके ऑफिस के हवाले से बताया के हवाले से एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दलाई लामा करीब एक माह तक चोगं लामसार गांव में रुकेंगे। ये वही गांव है जहां पर तिब्बत के वो परिवार रहते हैं, जो चीन के कब्जे से डरकर भारत आए थे। इसे शरणार्थियों का गांव भी कहते हैं और एलएसी से इसकी दूरी कुछ ही किलोमीटर है। अब सवाल ये है कि आखिर दलाई लामा से चीन इतना चिढ़ता क्यों है?

ऑस्ट्रेलिया-चीन तनाव के बीच एक्शन में अमेरिकी फौज, सबसे खतरनाक परमाणु बॉम्बर किया तैनात

मेलबर्न।

ऑस्ट्रेलिया और चीन में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने अपने सबसे खतरनाक परमाणु बॉम्बर **B** 2 स्पिरिट को ऑस्ट्रेलियाई वायुसेना के अंबरले एयरबेस पर तैनात किया है। चीन के खिलाफ एक्शन में दिख रही अमेरिकी वायुसेना ने एक बयान जारी करके कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्वतंत्र और मुक्त बनाने के लिए इन बॉम्बर्स के जरिए सहयोगी देशों के साथ अभ्यास और ट्रेनिंग को अंजाम दिया जाएगा। इन बॉम्बर्स को 10 जुलाई को तैनात किया गया है। ये विमान अमेरिका के मिसौरी एयरबेस से आए हैं। इस बॉम्बर को रेडॉर भी पकड़ नहीं पाता है।

अमेरिकी वायुसेना ने कहा कि बी2 बॉम्बर प्रशांत एयरफोर्स के बॉम्बर टास्क फोर्स की मदद करेंगे। अमेरिकी कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल एंड्रीव कोउसगार्ड ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया में **B** 2 बॉम्बर की तैनाती से हमारी तैयारी बढ़ेगी और लंबी दूरी तक भीषण हमला करने की ताकत वायुसेना को देता है। हम ऑस्ट्रेलियाई साथियों, हिंद प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ ट्रेनिंग, आदान प्रदान को लेकर आशान्वित हैं।' अमेरिका का रणनीतिक कमांड नियमित तौर पर बॉम्बर्स के टास्क फोर्स ऑपरेशन को विश्वभर में आयोजित करता है।

चीन की श्रीलंका में अपने नागरिकों को चेतावनी-'प्रदर्शनों से रहें दूर'

बीजिंग

ीलंका में अरबों डॉलर का निवेश करने वाले चीन ने द्वीप देश में मौजूद अपने सैकड़ों नागरिकों को हिदायत जारी करते हुए वहां किसी भी विरोध प्रदर्शन में हिस्सा नहीं लेने की चेतावनी दी है। चीन श्रीलंका की स्थिति पर पैनी नजर रख रहा है, जहां सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति आवास पर धावा बोल दिया और प्रधानमंत्री के आवास में आग लगा दी। सरकार के नियंत्रण वाले अखबार 'ग्लोबल टाइम्स' के मुताबिक कोलंबो में चीनी दूतावास ने शनिवार को एक नोटिस जारी किया, जिसमें श्रीलंका में चीनी नागरिकों को स्थानीय सुरक्षा स्थिति पर पूरा ध्यान देने और विरोध के फैलने के मद्देनजर स्थानीय कानूनों और नियमों का पालन करने की हिदायत दी। अखबार के मुताबिक, चीनी नागरिकों से कहा गया है कि वे किसी भी प्रदर्शन में शामिल नहीं हों। दूतावास ने चीनी नागरिकों से ना तो किसी प्रदर्शन में हिस्सा लेने, ना किसी प्रदर्शन को देखने के लिए बाहर निकलने को कहा।

नेपाल के आम चुनाव से पहले काठमांडू पहुंचे चीन के विशेष दूत

(एजेंसी)

नेपाल में आम चुनाव की घोषणा से ठीक पहले वामपंथी दलों को एक जगह लाने की कवायद चीन की तरफ से शुरू हो गई है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के विशेष दूत चार दिनों के नेपाल दौरे पर रविवार को काठमांडू पहुंचे हैं। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना के विदेश विभाग प्रमुख लियू जियानचाओ एक उच्च स्तरीय 6 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ काठमांडू आए हैं। लियू जियानचाओ के नेपाल दौरे की शुरुआत प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउवा से मुलाकात के साथ शुरू हो रही है। चार दिन बाद बीजिंग लौटने से पहले वो नेपाल के राष्ट्रपति से भी शिष्टाचार भेंट करने वाले हैं, लेकिन बाकी के समय शी के दूत का समय अपनी डफली अपना राग अपनाने वाले कम्युनिस्ट दलों को फिर से एक करने में ही व्यस्त रहने वाले हैं। सोमवार को लियू की मुलाकात सत्ता गठबंधन में रहे माओवादी पार्टी के अध्यक्ष प्रचण्ड से होगी। उसी दिन उनकी मुलाकात दो और सत्तारूढ़ दलों के प्रमुख नेता माधव कुमार नेपाल और उपेंद्र यादव से भी होने वाली है। मंगलवार को शी जिनपिंग के विशेष दूत प्रमुख प्रतिपक्षी दल के नेता तथा पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से मिलने उनके निवास पर जाएंगे। इन सभी मुलाकातों का मकसद नेपाल में नवंबर में होने वाले आम चुनाव से पहले कम्युनिस्ट ताकतों को एक करना है। नेपाल में कम्युनिस्ट पार्टियों के अलग-अलग होने के कारण यहां अमरीका प्रभाव इतना अधिक बढ़ गया है कि वो अपने पक्ष में विवादास्पद मिलेनियम चैलेंज कम्पैक्ट को नेपाल की संसद से दो तिहाई से पारित करवा रहे हैं और चीन के द्वारा प्रस्तावित बेल्ट एंड रोड बीआरआई को सीधे तौर पर नकार दिया है। हालांकि, नेपाल में चीन समर्थित चार अलग-अलग कम्युनिस्ट दलों के समर्थन से ही नेपाली कांग्रेस की सरकार टिकी है, फिर भी चीन के खिलाफ अमरीकी सेना को नेपाल में आने देने के लिए सरकार एक और समझौता करने जा रही है, जिसके बाद नेपाल चीन सीमा पर अब अमरीकी सेना के साथ ना सिर्फ युद्ध अभ्यास होगा, बल्कि चीन के सीमा के काफी करीब अमरीका अपना सैन्य और एयरबेस भी बना सकता है। नेपाल सरकार की इसी तैयारी से बौखलाए चीन चाहता है कि नेपाल का वर्तमान सत्तारूढ़ गठबंधन टूट जाए और प्रमुख कम्युनिस्ट पार्टी के बीच एकता हो जाए। चीन का प्रयास यही है कि नवंबर में होने वाले आम चुनाव में कम्युनिस्ट पार्टी के नेता एक ही दल के रूप में चुनाव लड़े या अगर यह संभव नहीं हो तो कम-से-कम एक वृहत वाम मोर्चा बना कर चुनाव में जाए।

अमेरिका ने चीन के शिनजियांग में तैयार प्रोडक्ट्स पर लगाया प्रतिबंध

वॉशिंगटन:

अमेरिका ने चीन के शिनजियांग प्रदेश से जबरन श्रम से तैयार प्रोडक्ट्स के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। रिपोर्ट्र्स के मुताबिक अब चीनी फर्म्स को अमेरिका को शिनजियांग क्षेत्र का माल बेचने के लिए यह साबित करना होगा कि यह जबरन श्रम करके नहीं तैयार करवाया गया है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि शिनजियांग क्षेत्र के अल्पसंख्यक उइगर मुस्लिमों को गिरफ्तार कर उन्हें काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। कपास और टमाटर सहित अमेरिका में शिनजियांग क्षेत्र के कई प्रोडक्ट्स को पहले ही प्रतिबंधित किया गया है। उइगर जबरन श्रम रोकथाम अधिनियम जून से प्रभावी हो गया है जो सभी आयातों पर प्रतिबंधों का विस्तार करेगा। अमेरिकी रिपब्लिकन सीनेटर मार्को रुबियो, डेमोक्रेट सीनेटर जेफ मर्कले और दो अन्य सांसदों ने कहा है कि कांग्रेस इस ऐतिहासिक कानून को पूरी तरह से और सख्ती से लागू करने के लिए राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनके प्रशासन के साथ काम करने के लिए तैयार है। रिपोट्र्स के अनुसार चीन ने शिनजियांग क्षेत्र में अल्पसंख्यकों की एक बड़ी आबादी को नजरबंदी शिविर में रखा हुआ है कि लेकिन बीजिंग ने लगातार इससे इनकार किया है। अमेरिकी कांग्रेस के मुताबिक अप्रैल 2017 से चीन ने शिनजियांग में दस लाख से अधिक उइगर और अन्य मुस्लिम अल्पसंख्यकों को जेल में डाल दिया है। रिपोट्र्स बताती हैं कि चीन इन हजारों कैदियों से न्यूनतम मजदूरी या बिना किसी पारिश्रमिक के काम कराता है।

श्रीलंका में हिंसक प्रदर्शनकारियों की ईमानदारी, राष्ट्रपति भवन से मिले 1.78 करोड़ रुपए सेना को सौंपे

कोलंबो: करीब 2.2 करोड़ की आबादी वाला देश श्रीलंका पिछले सात दशकों में एक अभूतपूर्व आर्थिक उथल-पुथल का सामना कर रहा है। विदेशी मुद्रा घटने तथा ईंधन समेत जरूरी सामान की किल्लत से देश में संकट और गहरा गया है। श्रीलंका में राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के आधिकारिक आवास पर धावा बोलने वाले सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति के घर के अंदर से 1.78 करोड़ रुपये बरामद करने का दावा किया है। सोशल मीडिया पर आए एक वीडियो में प्रदर्शनकारी बरामद मुद्रा नोट की गिनती करते हुए दिखाई देते हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उन्हें रविवार को राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास में 1,78,50,000 श्रीलंकाई रुपए मिले। प्रदर्शनकारियों ने बरामद रकम पुलिस को सौंप दी। ऐसा कर राष्ट्रपति भवन पर कब्जा जमाए बैठे हिंसक प्रदर्शनकारियों ने ईमानदारी की बड़ी मिसाल पेश की है। सरकार विरोधी सैकड़ों प्रदर्शनकारी अवरोधकों को तोड़ने के बाद शनिवार को मध्य कोलंबो के उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र में स्थित राजपक्षे के आवास में घुस गए थे। प्रदर्शनकारी देश में गंभीर आर्थिक संकट के मद्देनजर राष्ट्रपति के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों का एक और समूह प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के निजी आवास में घुस गया और उसमें आग लगा दी थी। इस बारे में ज्ञात नहीं है कि राष्ट्रपति अभी कहां हैं। प्रदर्शनकारियों के शहर में घुसने के बाद से उनका एकमात्र संवाद संसद अध्यक्ष महिंदा यापा अभयवर्धने के साथ हुआ, जिन्होंने शनिवार देर रात घोषणा की कि राष्ट्रपति बुधवार को इस्तीफा दे देंगे।

हिंद महासागर पर चीन-पाकिस्तान की नजर, समुद्री खतरों से निपटने के लिए शुरू किया 'सी गार्जियन-2' अभ्यास

बीजिंग।

हिंद महासागर में नौसैन्य सहयोग बढ़ाने के साथ सदाबहार दोस्त चीन और पाकिस्तान ने समुद्री सुरक्षा खतरों से संयुक्त रूप से निपटने के लिए अपने नए उच्च तकनीक वाले नौसैनिक जहाजों और लड़ाकू विमानों को तैनात करके रविवार को शंघाई तट पर 'सी गार्जियन-2' अभ्यास शुरू किया। चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) नौसेना के प्रवक्ता कैप्टन लियू वेन्शेंग ने एक बयान में कहा कि पीएलए नौसेना और पाकिस्तान नौसेना के कर्मी, जुलाई के मध्य में शंघाई से समुद्री और हवाई क्षेत्रों में संयुक्त नौसैनिक अभ्यास करेंगे। दोनों नौसेनाओं ने रविवार को 'सी गार्जियन' अभ्यास के दूसरे संस्करण के लिए एक उद्घाटन समारोह आयोजित किया। लियू ने कहा कि अभ्यास ''वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार यह सामान्य व्यवस्था है और इसका उद्देश्य किसी तीसरे पक्ष के खिलाफ नहीं है।'' सरकार के नियंत्रण वाले अखबार 'ग्लोबल टाइम्स' के मुताबिक पीएलए की पूर्वी थिएटर कमान नौसेना ने युद्धपोत जियांगटन, शुओझोउ, आपूर्ति जहाज कियानदाओहू, एक पनडुब्बी, एक चेतावनी विमान, दो लड़ाकू विमान और एक हेलीकॉप्टर को अभ्यास के लिए भेजा, जबकि पाकिस्तान नौसेना का पोत तैमूर अभ्यास में शामिल हुआ। लियू ने कहा, ''समुद्री सुरक्षा खतरों से संयुक्त रूप से निपटने'' की थीम वाले इस अभ्यास में समुद्री लक्ष्यों के खिलाफ संयुक्त हमले, संयुक्त सामरिक युद्धाभ्यास, संयुक्त पनडुब्बी रोधी युद्ध और क्षतिग्रस्त जहाजों के लिए संयुक्त सहयोग सहित प्रशिक्षण अभ्यास शामिल होंगे।

न्यूयॉर्क मेट्रो को बम से उड़ाने के दोषी आतंकवादी के पिता को भेजा अफगानिस्तान

न्यूयॉर्क।

न्यूयॉर्क मेट्रो को 2009 में बम से उड़ाने की साजिश रचने के दोषी अलकायदा के एक आतंकवादी के पिता को अमेरिका से अफगानिस्तान भेज दिया गया है। मोहम्मद वली ज़ाज़ी (66) को फरवरी 2012 में वीज़ा धोखाधड़ी, न्याय में बाधा डालने आदि का दोषी ठहराया गया था। एक बयान में शुक्रवार को कहा गया कि 'यूएस इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इंफोर्समेंट' (आईसीई)के 'इंफोर्समेंट एंड रिमूवल ऑपरेशंस'(ईआरओ) डेनवर फील्ड ऑफिस ने 13 जून को ज़ाज़ी को देश से अफगानिस्तान भेज दिया। ज़ाज़ी का बेटा, नजीबुल्लाह ज़ाज़ी अलकायदा से जुड़ा है और उसे 2009 में न्यूयॉर्क मेट्रो पर बमबारी की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया था। ज़ाज़ी अगस्त 1990 में अमेरिका आया था और अक्टूबर 2007 में यहां का नागरिक बन गया था। न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के लिए अमेरिकी जिला न्यायाधीश द्वारा फरवरी 2012 में उसे दोषी ठहराया गया था और उसे 54 महीने की कैद की सजा सुनाई गई थी। ज़ाज़ी की नागरिकता नवंबर 2018 में समाप्त कर दी गयी थी।

अमेरिका-दक्षिण कोरिया के युद्धाभ्यास से चिढ़े उत्तर कोरिया ने तोपों से दागे गोले

इंटरनेशनल डेस्क: अमेरिका-दक्षिण कोरिया के युद्धाभ्यास से चिढ़े उत्तर कोरिया ने तोपों से गोले दाग कर गुस्सा निकाला है। दक्षिण कोरिया ने कहा कि अमेरिका और उसके द्वारा संयुक्त प्रशिक्षण के लिए दक्षिण कोरिया में अत्याधुनिक लड़ाकू विमान तैनात किए जाने के कुछ दिन बाद उत्तर कोरिया ने रविवार को तोपखाने से गोले दागे। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने एक बयान में कहा कि उन्होंने रविवार दोपहर को उत्तर कोरियाई तोपखाने से गोले दागे जाने का पता लगाया। उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरिया की सेना ने अमेरिका के साथ निकट समन्वय में एक दृढ़ तत्परता बनाए रखी। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि तोपखाने से गोले दागे जाने का अभ्यास उत्तर कोरिया के पश्चिमी तट पर हुआ। इसने कहा कि राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा निदेशक किम सुंग-हान ने दक्षिण कोरियाई सैन्य तैयारी की समीक्षा की और उनका कार्यालय उत्तर कोरिया द्वारा संभावित अतिरिक्त अभ्यास को लेकर बारीकी से नजर रखे हुए है।

जापान चुनाव में फुमिओ किशिदा को मिला जनादेश, बोले- आबे के अधूरे लक्ष्यों करेंगे हासिल

टोक्यो।

सप्ताहांत के दौरान हुए चुनावों में मिले नए जनादेश से उत्साहित जापान के प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा ने सोमवार को राजनीतिक स्थिरता, पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के सेना को मजबूत करने और युद्ध-त्याग करने वाले संविधान को संशोधित करने के अधूरे लक्ष्यों को हासिल करने के लिए एकजुटता का आह्वान किया। किशिदा की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी और उसकी सहयोगी कोमैतो को 248 सदस्यीय सदन में 146 सीटों पर जीत हासिल हुई जो बहुमत के आंकड़े से काफी अधिक हैं। किशिदा ने जीत का स्वागत किया, लेकिन यह भी स्वीकार किया कि आबे के बिना पार्टी को एकजुट करना एक कठिन कार्य है, जिन्होंने 2020 में प्रधानमंत्री के रूप में इस्तीफा देने के बाद भी पार्टी के शक्तिशाली धड़े का नेतृत्व किया था। इस जीत से स्पष्ट हो गया है कि प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा वर्ष 2025 तक पद पर बने रहेंगे और राष्ट्रीय सुरक्षा तथा दीर्घकालिक नीतियों पर काम जारी रखेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन आबे को गोली लगने के समय 20 विदेश मंत्रियों के समूह की बैठक के लिए इंडोनेशिया में थे। उन्होंने किशिदा को राष्ट्रपति जो बाइडन का एक पत्र आबे के परिवार के लिये सौंपा। किशिदा ने कहा, ''चूंकि हमने एक महान नेता खो दिया है, निस्संदेह हम कई तरह से प्रभावित हो सकते हैं। हमारी पार्टी को एकजुट होना चाहिए क्योंकि हम कठिन मुद्दों का सामना करने वाले हैं।'' उन्होंने कहा कि जापान और उसके बाहर सुरक्षा एवं आर्थिक चुनौतियों के समय में आबे की मौत सबसे दुखद है। किशिदा ने कहा, ''हम उनकी इच्छा पूरी करेंगे और उन मुद्दों से निपटेंगे जिन्हें वह हासिल किए बिना चले गए, जिसमें अमेरिका द्वारा तैयार किए गए शांतिवादी संविधान में संशोधन भी शामिल है।

इससे पहले सोमवार को, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने संवेदना व्यक्त करने और राष्ट्रपति जो बाइडन का एक पत्र आबे के परिवार को देने के लिए किशिदा से मुलाकात की।

ब्लिंकन ने किशिदा से कहा, ''हम बस उन्हें यह बताना चाहते हैं कि हम व्यक्तिगत स्तर पर भी इस नुकसान की गहराई को महसूस करते हैं।''उन्होंने कहा, ''दरअसल मैं यहां इसलिए हूं क्योंकि अमेरिका और जापान सहयोगी से कहीं अधिक हैं-हम दोस्त हैं।'' ब्लिंकन ने कहा, ''आबे ने अमेरिका और जापान के बीच संबंधों को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए बहुत अधिक काम किया।''

जम्मू-कश्मीर: सुरक्षा बलों को मिली बड़ी कामयाबी, पुलवामा में दो आतंकवादी मारे गए

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में सोमवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए जिनमें से एक जैश-ए-मोहम्मद का शीर्ष आतंकवादी कैसर कोका था। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मुठभेड़ अवंतीपोरा इलाके के वांडकपोरा में सुरक्षा बलों द्वारा घेराबंदी करने और तलाशी अभियान चलाने के बाद शुरू हुई। पुलिस के एक प्रवक्ता ने ट्वीट किया, ''आतंकवादी कैसर कोका को मार गिराया गया। दूसरे आतंकवादी की पहचान की जा रही है। अमेरिका निर्मित एक राइफल (एम-4 कार्बाइन), एक पिस्तौल और सहित अन्य सामग्री, हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है।'' अधिकारी ने कहा कि कोका आतंकवाद से जुड़ी कई घटनाओं में वांछित था।

दुष्कर्म मामले में पूर्व विधायक सिमरजीत बैंस ने किया आत्मसमर्पण, 44 वर्षीय महिला के साथ किया था बलात्कार

लुधियाना। लोक इंसाफ पार्टी के प्रमुख और पूर्व विधायक सिमरजीत सिंह बैंस ने दुष्कर्म के एक मामले में यहां की एक अदालत के समक्ष सोमवार को आत्मसमर्पण कर दिया। बैंस (52) ने अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हरसिमरन जीत सिंह की अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण किया। गौरतलब है कि 44 वर्षीय महिला के साथ बलात्कार के मामले में बैंस मुख्य आरोपी हैं। एक स्थानीय अदालत के निर्देश पर बैंस और उनके दो भाइयों सहित पांच लोगों के खिलाफ 16 जुलाई 2021 को मामला दर्ज किया गया था। अदालत ने बैंस और अन्य आरोपियों को आदतन अपराधी घोषित किया था क्योंकि वे कार्रवाई में शामिल नहीं हो रहे थे। महिला ने अपनी शिकायत में कहा था कि उसने संपत्ति से जुड़े एक मामले में मदद के लिए पूर्व विधायक से संपर्क किया था, जिसके बाद पूर्व विधायक ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया। इससे पहले पुलिस ने इसी मामले में उनके भाई और निजी सहायक को गिरफ्तार किया था।

बारिश से दरके पहाड़-घरों में घुसा मलबा भूस्खलन के बाद सड़कें बंद

हरिद्वार। उत्तराखंड में भूस्खलन, घरों में मलबा घुसने और नदी, नालों के उफान पर आने का सिलसिला भी जारी रहा। देहरादून में कार के बह जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। भूस्खलन के कारण यमुनोत्री हाइवे समेत 191 सड़कें बंद हो गई। बदरीनाथ केवल छोटे वाहनों के लिए खुल पाया। चमोली जिले के चोटिंग गांव में मलबा घुस जाने से 11 परिवारों को स्कूल में शिफ्ट किया गया है। मौसम विभाग ने 12 जुलाई तक बारिश का सिलसिला जारी रहने की अनुमान जताया है। बारिश से भूस्खलन के कारण यमुनोत्री हाइवे समेत 191 सड़कों पर यातायात बंद हो गया। हाइवे बंद होने से कई यमुनोत्री यात्री राड़ी टॉप के पास फंस गए हैं। उधर, बदरीनाथ हाइवे देर शाम छोटे वाहनों के लिए खोल दिया गया है। द्वारीपैरा और ग्लेशियर प्वाइंट पर जारी भूस्खलन के कारण फूलों की घाटी की यात्रा दूसरे दिन भी बंद रही। फॉरेस्ट आफिसर अनूप कुमार ने बताया कि, डेढ़ सौ पर्यटकों को घांघरिया में रोका गया है। उधर, हेमकुंड साहिब पैदल मार्ग अस्थाई तौर पर खोल दिया गया है। गुरुद्वारा गोविन्दघाट के प्रबंधक सेवा सिंह ने बताया कि रविवार को 1100 सिख यात्री हेमकुंड के लिए रवाना हुए हैं। देहरादून के शिमला बाईपास मार्ग पर एक कार के रपटे की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो घायल हो गए। कार सवार पांवटा साहिब से देहरादून से लौट रहे थे। पहाड़ पर जारी बारिश के कारण हरिद्वार में गंगा का जलस्तर रविवार सुबह चेतावनी निशान करीब पहुंच गया। हालांकि, दोपहर बाद गंगा का जलस्तर चेतावनी के निशान से नीचे आ गया।

गिरिराज सिंह ने फिर की कड़े जनसंख्या कानून की वकालत, बोले- हमारी आबादी सुरसा के मुंह की तरह बढ़ रही है

पटना। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने एक बार फिर से कड़े जनसंख्या नियंत्रण कानून की वकालत कर दी हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि हमारे देश की हमारे 'सुरसा' के मुंह की तरफ बढ़ रही है। इस पर नियंत्रण करने के लिए कड़े कानून की आवश्यकता है। दरअसल, गिरिराज सिंह ने विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर एक वीडियो जारी किया है और उसे ट्विटर पर साझा किया है। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा कि पिछले तीन दशकों में भारत आर्थिक प्रगति की रफ्तार में चीन से पिछड़ गया, लेकिन जनसंख्या वृद्धि में अपने पड़ोसी देश से आगे निकल गया। बिहार में बेगूसराय लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले सिंह ने कहा कि हमारे पास सीमित संसाधन हैं। हमारी आबादी सुरसा के मुंह की तरह बढ़ रही है। दस-दस बच्चे पैदा करने वाली विकृत मानसिकता पर भी अंकुश लगाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि समय की मांग है कि जनसंख्या नियंत्रण के लिए एक 'कड़ा कानून' बने, जो ''पूरे देश में और सभी धर्म के लोगों पर लागू हो। भाजपा नेता ने कहा कि इस तरह के कानून की मांग संसद से सड़क तक उठानी चाहिए।

आबादी के मामले में 2023 में चीन को पछाड़ सकता है भारत

नई दिल्ली। दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी के मामले में भारत अगले साल चीन को पीछे छोड़ सकता है। यूनाइटेड नेशन्स की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। इसमें कहा गया है कि नवंबर, 2022 के मध्य तक दुनिया की आबादी 8 बिलियन पहुंच जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में भारत की आबादी 1.412 अरब है, जबकि चीन की आबादी 1.426 अरब है। अनुमान है कि भारत में 2050 में 1.668 बिलियन की आबादी होगी, जो सदी के मध्य तक चीन के 1.317 बिलियन लोगों से बहुत ज्यादा है। दुनिया का आबादी 1950 के बाद से सबसे न्यूनतम गति से बढ़ रही है, जिसमें 2020 में एक प्रतिशत की गिरावट आई थी। यूएन के हालिया अनुमानों में कहा गया है कि 2030 तक दुनिया की जनसंख्या 8.5 बिलियन और 2050 तक 9.7 बिलियन तक पहुंच जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, 2080 तक दुनिया भर में 10.4 बिलियन के आसपास लोग होंगे। 2022 में दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले क्षेत्र पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी एशिया हैं। यहां 2.3 बिलियन लोग रहते हैं जो वैश्विक आबादी का 29 प्रतिशत है। वहीं, मध्य और दक्षिणी एशिया की आबादी 2.1 बिलियन है, जो कुल विश्व जनसंख्या का 26 प्रतिशत है। 2022 में 1.4 बिलियन आबादी के साथ चीन और भारत इन क्षेत्रों में सबसे बड़ी जनसंख्या के लिए जिम्मेदार हैं। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा, फ्इस साल का विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई) मील का पत्थर है, जब हमें पृथ्वी के आठ अरबवें निवासी के जन्म की उम्मीद है। यह हमारी विविधता को सेलिब्रेट करने का मौका है। बीते सालों में लोगों की औसत उम्र बढ़ी है और बाल मृत्यु दर में कमी आई है। साथ ही यह याद रखने की जरूरत है कि इस ग्रह की देखरेख हम सबकी जिम्मेदारी है।

सुरकंडा देवी में ट्रॉली बीच हवा में फंसी, बीच हवा में लटके रह गए विधायक समेत 40 श्रद्धालु

देहरादून। मसूरी के पास सुरकंडा देवी मंदिर को जोड़ने वाला रोपवे के तकनीकी खराबी के कारण बीच रास्ते में अटक जाने से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक किशोर उपाध्याय समेत 40 से अधिक श्रद्धालु रविवार को करीब एक घंटे तक हवा में फंसे रहे। उपाध्याय ने कहा कि यह घटना उस समय हुई जब वे रोपवे से मंदिर से लौट रहे थे। उन्होंने बताया कि करीब एक घंटे तक हवा में लटके रहने के बाद रोपवे ट्रॉली से नीचे उतरने पर श्रद्धालुओं ने राहत की सांस ली। उपाध्याय ने कहा कि प्रसिद्ध मंदिर के लिए रोपवे संचालन फिर से शुरू कर दिया गया है, लेकिन सुझाव दिया कि इसकी ठीक से जांच की जानी चाहिए ताकि श्रद्धालुओं की जान को खतरा नहीं हो। टिहरी जिले में स्थित मंदिर के लिए रोपवे सेवा इस साल मई में शुरू हुई थी।

तेजस्विनी योजना का एक साल 52 महिला पुलिसकर्मियों ने 100 अपराधियों को पकड़ा

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी जिले की महिला केंद्रित सुरक्षा एवं अधिकारिता पहल तेजस्विनी योजना को रविवार को एक वर्ष पूरा हो गया। डीसीपी (उत्तर-पश्चिम) उषा रंगानी ने कहा कि इस योजना के तहत, पिछले एक साल में 52 महिला बीट कर्मियों ने छेड़छाड़ करने वालों, लुटेरों, डकैतों, स्नैचरों और ऑटो-लिफ्टर्स सहित 100 लोगों को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 10 जुलाई 2021 को तेजस्विनी योजना शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों पर अंकुश लगाना था। इसका उद्देश्य उत्तर पश्चिमी जिला क्षेत्राधिकार में रहने, काम करने या आने-जाने वाली महिलाओं में विश्वास पैदा करना था। 52 महिला बीट कर्मियों का चयन करके उन्हें अपराध प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया गया। अपने पुरुष समकक्षों के समान काम करते हुए ये 52 तेजस्विनी स्कूटर और बाइक पर सड़कों पर पेट्रोलिंग किया करती थीं।

एआई तकनीक पर किसी एक देश का नहीं होना चाहिए दबदबा

राजनाथ सिंह बोले- हमें मानवता की प्रगति और शांति के लिए इसका करना होगा इस्तेमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, दिल्ली में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन डिफेंस' पर संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तंत्र पर ÷बेहद सावधानी से÷ काम करने की जरूरत है और उसे कानूनी, नैतिक, राजनीतिक और आर्थिक उथल-पुथल का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। 'हमें मानवता की प्रगति और शांति के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए कि कोई देश या देशों का समूह इस तकनीक पर अपना प्रभुत्व स्थापित कर ले और बाकी देश इस तकनीक का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि दुनिया पर राज करने की हमारी कभी मंशा नहीं रही। परन्तु कोई और देश आकर भारत पर राज करने की न सोचने लगे इसके लिए हमें अपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की क्षमता को विकसित करना ही होगा। उन्होंने कहा कि एआई की नैतिकता और खतरों पर ठीक से विचार किया जाना चाहिए। 'हम कृत्रिम बुद्धि की प्रगति को रोक नहीं सकते हैं और हमें इसकी प्रगति को रोकने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। लेकिन हमें इससे सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब कोई नई तकनीक बहुत बड़ा बदलाव लाती है तो उसका संक्रमण काल भी उतना ही बड़ा और गंभीर होता है। सिंह ने कहा, 'चूंकि एआई एक ऐसी तकनीक है जो बड़े पैमाने पर बदलाव ला सकती है, हमें कानूनी, नैतिक, राजनीतिक और आर्थिक उथल-पुथल का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमें एआई पर बेहद सावधानी से काम करने की जरूरत है ताकि आने वाले समय में यह (तकनीक) हमारे नियंत्रण से बाहर न हो जाए।

भगोड़े विजय माल्या को अवमानना मामले में 4 महीने की कैद

नई दिल्ली। भोगड़े शराबी कारोबारी विजय माल्या के खिलाफ अवमानना के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रवैया अपनया है। माल्या को चार महीने की कैद की सजा सुनाई गई है। साथ ही कोर्ट ने 2 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने माल्या के खिलाफ यह कार्रवाई साल 2017 के केस में की है। माल्या के बार-बार गैर हाजिर रहने से कोर्ट काफी नाराज था। शीर्ष न्यायालय ने यह भी कहा है कि अगर समय पर जुर्माना राशि जमा नहीं की गई, तो माल्या को दो और महीने की कैद भुगतनी होगी। जस्टिस उदय उमेश ललित, जस्टिस एस रविंद्र भट्ट और जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। आदेश का उल्लंघन करते हुए अपने बच्चों को 40 मिलियन डॉलर भेजने के बारे में कोर्ट से जानकारी छिपाने के चलते साल 2017 में शीर्ष न्यायालय ने माल्या को अवमानना का दोषी पाया था। इस दौरान कोर्ट ने माल्या को चार हफ्तों में ब्याज के साथ 40 मिलियन डॉलर चुकाने के आदेश दिए हैं। साथ ही अगर माल्या ऐसा करने में असफल रहे, तो उनकी संपत्तियों को अटैच किया जाएगा।

जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम आगे बढ़े, पर जनसांख्यिकी असंतुलन की स्थिति न पैदा हो: योगी

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आगे बढ़े, लेकिन जनसांख्यिकी असंतुलन की स्थिति भी न पैदा हो पाए। लखनऊ में विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर 'जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा' की शुरुआत करते हुए योगी ने कहा, 'जब हम परिवार नियोजन/जनसंख्या स्थिरीकरण की बात करते हैं तो हमें ध्यान में रखना होगा कि जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आगे बढ़े, लेकिन जनसांख्यिकी असंतुलन की स्थिति भी न पैदा होने पाए।'

उन्होंने कहा, 'हम सभी जानते हैं कि बीते पांच वर्षों से देशभर में जनसंख्या स्थिरीकरण को लेकर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। एक निश्चित पैमाने पर जनसंख्या समाज की उपलब्धि भी है, लेकिन यह उपलब्धि तभी है, जब समाज स्वस्थ व आरोग्यता की स्थिति को प्राप्त कर सके।' मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी ट्वीट के मुताबिक, योगी ने कहा कि अगर हमारे पास कुशल श्रम शक्ति है तो यह समाज के लिए एक उपलब्धि है, लेकिन जहां बीमारी, अव्यवस्था, पर्याप्त संसाधनों का अभाव हो, वहां जनसंख्या विस्फोट अपने आप में एक चुनौती भी होता है।

योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश आबादी के लिहाज से देश का सबसे बड़ा प्रदेश है और आशा बहनें, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत समिति सहित अन्य प्रतिनिधिगण व शिक्षकगण स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम को और बेहतरीन तरीके से आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने इस दिशा में सामूहिक प्रयास करने की सलाह भी दी। मुख्यमंत्री ने विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर समस्त प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई दी। कार्यक्रम में उप-मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह और मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र सहित कई अन्य हस्तियां मौजूद थीं।

भगवंत मान के बयान पर पंजाब में बवाल कांग्रेस और अकाली दल ने घेरा

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

हरियाणा के नए विधानसभा भवन को लेकर दो राज्यों में टकराव की स्थिति बनती दिख रही है। केंद्र सरकार की ओर से हरियाणा को नया विधानसभा भवन बनाने के लिए चंडीगढ़ में जमीन देने के फैसले का पंजाब कांग्रेस ने विरोध किया है। पंजाब विधानसभा में कांग्रेस के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि चंडीगढ़ तो पंजाब का अटूट हिस्सा है। हरियाणा को केंद्र शासित प्रदेश की सीमा के बाहर ही अपनी विधानसभा बनानी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने सीएम मान पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि मान ने पंजाब विधानसभा के लिए चंडीगढ़ में जमीन की मांग करके पंजाब का दावा कमजोर किया है। उन्होंने कहा कि इससे चंडीगढ़ पर पंजाब का हक कमजोर हो जाएगा। बाजवा ने कहा कि ऐसा लगता है कि सीएम का ट्विटर अकाउंट दिल्ली से चल रहा है। उन लोगों के द्वारा संचालित हो रहा है, जिन्हें पंजाब के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्हें यह पता नहीं है कि चंडीगढ़ पर पंजाब का क्या दावा बनता है। इस बीच अकाली दल भी भड़का हुआ है। पार्टी नेता सुखबीर सिंह बादल ने अकाली दल की आपातकालीन मीटिंग बुलाई है। इसमें मुख्यमंत्री की ओर से पंजाब विधानसभा के लिए जमीन मांगने के मसले पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने भी मान पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके बयान के चलते चंडीगढ़ पर पंजाब का दावा कमजोर होता है। उन्होंने कहा कि सीएम ने पंजाब के हक को सरेंडर कर दिया है। मंगलवार को यह मीटिंग बुलाई गई है, जिसमें पंजाब के हितों और चंडीगढ़ पर उसके दावों को लेकर चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि सीएम मान की ओर से पंजाब विधानसभा के लिए जमीन की मांग करना बेहद खतरनाक है।

कर्नाटक में भी कांग्रेस विधायक बदलेंगे पाला? विधायक एमबी पाटिल ने कही ये बात

नई दिल्ली (एजेंसी)।

गोवा कांग्रेस में एक बार फिर फूट के आसार नजर आ रहे हैं। अटकलें हैं कि राज्य में कांग्रेस पार्टी एक बार फिर टूट सकती है। इसकी अगुवाई विधानसभा में कभी नेता विपक्ष की भूमिका में रहे माइकल लोबो कर रहे हैं। जिनके साथ पार्टी के 5 से 7 विधायक कांग्रेस छोड़ सकते है। कि गोवा में कांग्रेस के सभी विधायक भाजपा में शामिल होने वाले बीजेपी के दावे को लेकर कर्नाटक कांग्रेस विधायक एमबी पाटिल से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सीटी रवि का बयान अलोकतांत्रिक है। पाटिल ने कहा कि विधायकों को 40 करोड़ रुपये में खरीदना। इसने हमारे देश की व्यवस्था को खराब कर दिया है, हमें शर्म आती है कि हमारे देश में ऐसी चीजें होती हैं।उन्होंने कहा कि बिल्कुल भी नहीं। वास्तव में, भाजपा और जद (एस) के लोग कांग्रेस में शामिल होंगे। बता दें कि गोवा के बीजेपी प्रभारी सीटी रवि ने 28 मई को कहा था कि विपक्ष के पांच विधायक सत्ताधारी दल में शामिल होने के इच्छुक हैं। विपक्ष के वर्तमान नेता माइकल लोबो कथित तौर पर अन्य पांच विधायकों के साथ बीजेपी में शामिल होने के लिए चर्चा में थे। इससे पहले अक्टूबर 2019 में विपक्ष के नेता चंद्रकांत कावलेकर के साथ कांग्रेस के दस विधायक बीजेपी में चले गए थे। बता दें कि गोवा में कांग्रेस ने पार्टी उम्मीदवारों को ईश्वर के सामने शपथ दिलाई गई थी कि वे निर्वाचित होने के बाद पाला नहीं बदलेंगे। कांग्रेस अपने उम्मीदवारों को बस से मंदिर, गिरिजाघर और दरगाह ले गई और उन्हें वहां दल बदल के खिलाफ शपथ दिलाई थी।

1993 मुंबई बम धमाकों के आरोपी अबू सलेम की 2030 तक नहीं हो सकती रिहाई: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

माफिया सरगना अबू सलेम को 2030 तक रिहा नहीं किया जा सकता है, यह सख्त आदेश देश की शीर्ष कोर्ट ने दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा उसकी 25 साल की हिरासत अवधि पूरी होने के बाद, केंद्र सरकार भारत और पुर्तगाल के बीच प्रत्यर्पण संधि के बारे में राष्ट्रपति को सलाह दे सकती है। साल 1993 के मुंबई बम धमाकों के गुनहगार अबू सलेम ने 2 मामलों में खुद को मिली उम्रकैद की सजा को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। उसने दावा किया था कि पुर्तगाल से हुए उसके प्रत्यर्पण में तय शर्तों के मुताबिक उसकी कैद 25 साल से अधिक नहीं हो सकती। इसलिए, उसे 2027 में रिहा किया जाए। इसका जवाब देते हुए केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि सलेम की रिहाई पर विचार करने का समय 2027 में नहीं, 2030 में आएगा। क्योंकि उसे 2005 में पुर्तगाल से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया था। तब सरकार जरूरी फैसला लेगी। अबू सलेम को 2005 में पुर्तगाल से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया था। उसने अपनी याचिका में सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि भारत सरकार ने 2002 में पुर्तगाल सरकार से यह वादा किया था कि उसे न तो फांसी की सजा दी जाएगी, न ही किसी केस में 25 साल से अधिक कैद की सजा होगी। लेकिन मुंबई के विशेष टाडा कोर्ट से उसे 1993 मुंबई बम ब्लास्ट समेत 2 मामलों में उम्रकैद की सजा सुनाई। गैंगस्टर ने शीर्ष अदालत से यह मांग की थी कि उसे रिहा करने के लिए 2002 की तारीख को आधार बनाया जाना चाहिए, क्योंकि तभी उसे पुर्तगाल में हिरासत में ले लिया गया था। इस हिसाब से 25 साल की समय सीमा 2027 में खत्म होती है। अबू सलेम की याचिका के जवाब में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला की तरफ से शीर्ष अदालत को बताया गया कि गैंगस्टर के प्रत्यर्पण के समय किया गया वादा 'एक सरकार का दूसरी सरकार से किया गया वादा' था। सलेम के मामले में फैसला सुनाने वाले टाडा कोर्ट के जज इससे बंधे नहीं थे। उन्होंने भारतीय कानून के हिसाब से फैसला सुनाया और 1993 के मुंबई बम धमाकों में उसे दोषी करार देते हुए उम्र कैद की सजा दी। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से यह भी कहा कि सलेम को 2005 में भारत लाया गया था। इसलिए, 2030 में उसकी रिहाई के मामले पर जरूरी निर्णय लिया जाएगा। गृह सचिव ने यह भी सुझाव दिया है कि सुप्रीम कोर्ट अबू सलेम की अपील को सुनते हुए सिर्फ दोनों केस के तथ्यों को देखे और पुर्तगाल सरकार के साथ उसके प्रत्यर्पण को लेकर हुए समझौते का पालन सरकार पर छोड़ दे।

अमरनाथ यात्रा सोमवार को फिर से हुई शुरू, 4026 तीर्थयात्रियों का 12वां जत्था जम्मू से रवाना

जमू। (एजेंसी)।

खराब मौसम के कारण करीब एक दिन निलंबित रहने के बाद अमरनाथ यात्रा सोमवार को फिर शुरू हो गई और 4,026 तीर्थयात्रियों का 12वां जत्था दक्षिण कश्मीर में 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा के दर्शन के लिए जम्मू से रवाना हुआ। खराब मौसम के कारण जम्मू से यात्रा स्थगित कर दी गई थी और रविवार को किसी भी जत्थे को घाटी में आधार शिविरों की ओर जाने की अनुमति नहीं दी गई थी। अमरनाथ गुफा के पास आठ जुलाई को बादल फटने पर हुई भीषण बारिश के कारण अचानक बाढ़ आने से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 30 से अधिक लोग अब भी लापता हैं।

अधिकारियों ने बताया, ''केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कड़ी सुरक्षा के बीच 110 वाहनों में कुल 4,026 तीर्थयात्रियों का 12वां जत्था यहां भगवती नगर यात्री निवास से रवाना हुआ।'' उन्होंने बताया कि इन श्रद्धालुओं में 3,192 पुरुष, 641 महिलाएं, 13 बच्चे, 174 साधु और छह साध्वी हैं। उन्होंने बताया कि बालटाल आधार शिविर के लिए जाने वाले 1,016 तीर्थयात्री 35 वाहनों में तड़के साढ़े तीन बजे सबसे पहले रवाना हुए। इसके बाद कश्मीर में पहलगाम शिविर के लिए 2,425 तीर्थयात्रियों को लेकर 75 वाहनों का दूसरा काफिला रवाना हुआ।

इस बीच, सेना ने पवित्र गुफा के बाहर एक अस्थायी सीढ़ी का निर्माण किया। गत शुक्रवार को बादल फटने से हुए भूस्खलन के कारण गुफा मंदिर की ओर जाने वाला मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया था। सेना की इकाई 'चिनार कोर' ने ट्वीट किया, '' यात्रा के पहलगाम से आज शुरू होने के मद्देनजर पवित्र गुफा के बाहर यात्रियों के लिए रातभर में अस्थायी सीढ़ी बनाई गई।'' बाबा बर्फानी के दर्शन के लिये 43 दिन की वार्षिक यात्रा दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान मार्ग और मध्य कश्मीर के गांदरबल में 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से 30 जून को शुरू हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक 1.13 लाख से अधिक तीर्थयात्री पवित्र गुफा में बर्फ से बने शिवलिंग के दर्शन कर

चुके हैं। अमरनाथ यात्रा 11 अगस्त को रक्षा बंधन के अवसर पर समाप्त होगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

भगवद् गीता को प्रार्थना में श्लोक पाठ के रूप में प्रस्तुत करने के प्रस्ताव को गुजरात हाईकोर्ट में चुनौती

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात के स्कूलों में भगवद् गीता को प्रार्थना कार्यक्रम और अन्य गतिविधियों में श्लोक पाठ के रूप में प्रस्तुत करने के प्रस्ताव को हाईकोर्ट में चुनौती दी गयी है। इस याचिका पर गुजरात हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। हाईकोर्ट ने हालांकि इस प्रस्ताव पर रोक लगाने से इनकार कर दिया और राज्य सरकार से १८ अगस्त तक जवाब मांगा। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति आशुतोष शास्त्री की खंडपीठ ने जमीयत उलमा-ए-हिंद द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर नोटिस जारी किया।

याचिका में स्कूलों में इस शैक्षिक वर्ष से श्रीमद् भगवद् गीता को प्रार्थना और श्लोकों आदि के पाठ जैसी गतिविधियों के रूप में प्रस्तुत करने के प्रस्ताव को चुनौती दी गई है। जमीयत उलमा-ए-हिंद ने संवैधानिक वैधता के आधार पर प्रस्ताव को चुनौती दी और दावा किया कि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उल्लंघन है। पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील को सहायक सॉलिसिटर जनरल को जनहित याचिका की एक प्रति देने का भी निर्देश दिया, क्योंकि केंद्र सरकार को भी प्रतिवादी बनाया गया है। गौरतलब है कि गुजरात के शिक्षा मंत्री ने इस साल मार्च में गुजरात के स्कूलों में भगवद् गीता को प्रार्थना और श्लोकों आदि के पाठ जैसी गतिविधियों के रूप में प्रस्तुत करने की घोषणा की थी।

पीएम मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री से टेलिफोनिक बात कर हरसंभव मदद का दिया आश्वासन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ टेलीफ़ोन पर बातचीत की और गुजरात में व्यापक तथा भारी बारिश से बनी विकट स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने विशेषकर दक्षिण तथा मध्य गुजरात के इलाकों में पिछले 48 घण्टों के दौरान जो भारी बारिश हुई है, उसकी तथा उसके कारण उत्पन्न हुई स्थिति के बारे में पीएम मोदी को विस्तृत जानकारी दी। प्रधानमंत्री ने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार बारिश की स्थिति से निपटने के लिए एनडीआरएफ सहित सभी आवश्यक मदद प्रदान करेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार राज्य के बारिश प्रभावित लोगों के साथ रहेगी।

तीन नगर पालिकाओं में जलापूर्ति योजना के लिए 28 करोड़ के कार्य मंजूर

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के नगरों व शहरों में नागरिकों को पेयजल की पर्याप्त सुविधा मुहैया कराने तथा घरों की ड्रेनेज लाइन को मेन लाइन से जोड़कर नगरों में स्वच्छता और शुद्धता बनाए रखने का दृष्टिकोण अपनाया है। मुख्यमंत्री ने इस उद्देश्य से साबरकांठा जिले की वडाली, वडोदरा जिले की करजण और कच्छ जिले की मुंद्रा-बारोई नगर पालिकाओं के जलापूर्ति योजना के कार्यों को सैद्धांतिक मंजूरी दी है। उन्होंने वडाली नगर पालिका को जलापूर्ति योजना के कार्यों के लिए 6.31 करोड़ रूपए, करजण नगर पालिका के जूना बाजार इलाके में जलापूर्ति के कार्य के लिए 91.49 लाख रूपए और मुंद्रा-बारोई नगर पालिका को 20.78 करोड़ रूपए सहित कुल 28 करोड़ रूपए स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के अंतर्गत आवंटित करने की स्वीकृति दी है। इन नगरों में मौजूदा आधार वर्ष तथा आगामी 2052 तक की अनुमानित आबादी को ध्यान में रखते हुए जलापूर्ति योजना के कार्यों का आयोजन किया गया है। वडाली, करजण और मुंद्रा-बारोई नगरों में पर्याप्त मात्रा में दैनिक जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए इस प्रस्तावित योजना के तहत राइजिंग मेन, उंची टंकी, पम्पिंग मशीनरी, अंडरग्राउंड सम्प और वितरण व्यवस्था जैसे कार्य किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में गुजरात शहरी विकास मिशन (जीयूडीएम) की ओर से उनकी समक्ष प्रस्तुत किए गए प्रस्ताव का अनुमोदन किया है। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री ने राज्य के अन्य ३ नगरों थराद, विसावदर और ध्रांगध्रा में निजी सोसायटी जनभागीदारी योजना के अंतर्गत घरों की सीवर लाइन को मुख्य सीवर लाइन के साथ जोड़ने के कार्यों के लिए भी स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना के तहत रकम आवंटित की है।

गुजरात में 15 जुलाई तक अतिभारी बारिश की संभावना, 24 घंटों में 218 तहसीलों में बारिश

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भारी से अतिभारी बारिश से पूरा गुजरात बेहाल है और आगामी 4-5 दिन इससे राहत मिलने की संभावना कम है। मौसम विभाग ने 15 जुलाई तक भारी से अतिभारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक सौराष्ट्र के भावनगर, जूनागढ़ और पोरबंदर जिलों में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना है। मध्य गुजरात के आणंद, छोटाउदेपुर और वडोदरा में भी भारी बारिश का अनुमान है। रविवार को अहमदाबाद समेत राज्य के कई जिलों में अतिभारी बारिश से चहुंओर पानी पानी हो गया है। रिहायशी इलाकों में पानी घुसने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई है। निचले इलाकों की सोसायटी और फ्लेटों में पानी भर गया है।

कई जगह ग्राउंड फ्लोर की दुकानों में पानी भर जाने से लाखों रूपए का नुकसान हुआ है। कई फ्लेटों के पार्किंग पानी में डूब गए हैं,
जिसमें कारें और दुपहिया वाहन तैरते नजर आ रहे हैं।

पिछले 24 घंटों में राज्य की 218 तहसीलों में बारिश हुई है। बोडेली, कवांट, जांबुघोडा, जेतपुरपवी, छोटाउदेपुर इत्यादि में 15 ईंच से भी अधिक बारिश ने तहस नहस कर दिया है। वहीं सागबारा, संखेडा, देडियापाडा, डोलवण, वांसदा, नडियाद, गोधरा और सोजित्रा में भी 10 ईंच से भी अधिक बारिश दर्ज हुई है। गुजरात में मौसम की अब तक 36 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से टेलिफोनिक बातचीत कर राज्य में भारी से अतिभारी बारिश उत्पन्न स्थिति के बारे में ताजा जानकारी ली। साथ ही मौजूदा हालात से निपटने के लिए एनडीआरएफ समेत हरसंभव सहायत देने का मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को पीएम मोदी ने आश्वासन दिया है। बता दें कि रविवार को अहमदाबाद शहर में भारी बारिश के अलावा दक्षिण गुजरत के वलसाड व नवसारी, मध्य गुजरात के छोटाउदेपुर व नर्मदा जिले में जबर्दस्त बारिश हुई थी। दक्षिण गुजरात में आज भी बारिश का दौर जारी है।

औरंगा समेत दक्षिण गुजरात की कई नदियां उफान पर हैं।

एनडीआरएफ टीमो द्वारा राहतकार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। राज्यभर में हो रही बारिश के चलते 207 जलाशयों में 40.24 प्रतिशत जलराशि का संग्रह हुआ है। गुजरात की जीवनदायिनी सरदार सरोवर नर्मदा बांध में 151586 एमसीएफटी जलराशि का संग्रह है। जो कुल संग्रक्षक्षमता का 45.37 प्रतिशत है।

जलापूर्ति विभाग के फ्लड सेल द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक राज्य के 11 जलाशयों में 100 प्रतिशत या उससे अधिक, 18 जलाशयों में 70 से 100 प्रतिशत, सरदार सरोवर बांध समेत 25 जलाशयों में 50 से 70 प्रतिशत, 101 जलाशयों में 25 प्रतिशत भी कम जलराशि का संग्रह है। जिसमें उत्तर गुजरात के 15, मध्य गुजरात के 17, दक्षिण गुजरात के 13, कच्छ के 20 और सौराष्ट्र के 141 जलाशिय शामिल हैं।

वर्तमान में हो रही भारी बारिश के चलते 100 प्रतिशत से अधिक पानी से लबालब राज्य के 11 जलाशय और 90 से 100 प्रतिशत भरे 2 समेत 13 जलाशयों पर हाईअलर्ट जारी किया गया है। 80 से 90 प्रतिशत के साथ 8 पर अलर्ट और 70 से 80 प्रतिशत भरे 7 जलाशयों पर सामन्य चेतावनी जारी की गई है।

पहली बारिश में भ्रष्टाचार के कारण राज्य की सड़कें बह गईं

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

आम आदमी पार्टी के प्रदेश संगठन महासचिव मनोज सोरठिया ने प्रदेश में बारिश के कारण विकट स्थिति को देखते हुए प्रेस कांफ्रेंस कर भाजपा नेताओं पर आरोप लगाए थे। पूरे राज्य में जिस तरह की बारिश हो रही है, उसने लोगों की मुश्किलें भी बढ़ा दी हैं. कई इलाकों में पानी भर गया है। कुछ गांवों को काट दिया गया है और शहर की सड़कें ढह गई हैं। पहली बारिश में ही करोड़ों रूपये की लागत से बनी सड़क में व्याप्त भ्रष्टाचार का पर्दाफाश हो गया है. जो आज बारिश के कारण मुश्किल है। उस समय बीजेपी एक भव्य पार्टी की तरह पार्टी का आयोजन कर रही है. बीजेपी का एक भी नेता अपने क्षेत्र में प्रभावितों की मदद नहीं कर रहा है.

भाजपा में शामिल होने के लिए उन्होंने जिन कार्यकर्ताओं के नाम लिस्ट में लिखे हैं, वे फिलहाल प्रेस कॉन्फ्रेंस में हमारे साथ हैं. उन्हें खुद का भी पता नहीं है और भारतीय जनता पार्टी उनकी सूची में उनका नाम लिखती है। इस तरह का घोटाला कर लोगों को गुमराह करने में भारतीय जनता पार्टी सबसे आगे है। हमारा कोई भी पदाधिकारी या कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी में शामिल नहीं हुआ है।

कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी एक हैं। गुजरात में अगली विधानसभा में आम आदमी पार्टी ने सभी मतदाताओं से कांग्रेस को वोट न देने की अपील की है. अगर कांग्रेस को आपका वोट मिलता है, तो वे भी बीजेपी में शामिल हो जाएंगे. अगर आप गुजरात में बदलाव चाहते हैं, तो आम आदमी पार्टी को वोट दें और अपना समर्थन करें।